विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 59 | कोरबा, शनिवार, दिनांक 29 नवंबर 2025 डाक 30 नवंबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कर्नाटक के उडुपी में श्री कृष्ण मठ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए...

देश-विदेश
दहेज के कारण व्यावसायिक लेन-देन बनकर रह गई है शादी, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- विवाह की पवित्रता हो रही खत्म

कोरिया पेज
मलकाडोल में बन रही रिंगवाल की गुणवत्ता पर ग्राम पंचायत को आपत्ति, की शिकायत

100 किमी की रफ्तार से हवाएं, भारी बारिश... तूफान दितवाह को लेकर तीन राज्यों में मौसम विभाग का अलर्ट

तमिलनाडु-कोलकाता, 29 नवंबर [एजेंसी]।

बंगाल की खाड़ी में पहले से ही साइक्लोन सेन्यार के चलते हलचल मची हुई है। वहीं, अब दितवाह तूफान का असर देखने को मिलेगा। चक्रवाती तूफान दितवाह उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र के तटों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। दरअसल, श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद तूफान दितवाह अब भारत की ओर रूख कर लिया है। श्रीलंका में दितवाह तूफान से अब तक 69 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, अब इसका असर दक्षिण भारतीय राज्यों में देखने को मिलेगा। इसके चलते यहां तीन दिनों तक मौसम खराब रहेगा। दितवाह चक्रवाती तूफान के टकराने से तमिलनाडु में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान आएगा।

इस दौरान भारी बारिश की भी संभावना है। तमिलनाडु के अलावा केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में 60 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलेंगी और भारी बारिश होगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, दितवाह तूफान श्रीलंका तट और समीपवर्ती बंगाल की खाड़ी से होते हुए उत्तर-उत्तरपश्चिमी मार्ग पर आगे बढ़ेगा। जो रविवार की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास पहुंचेगा। तूफान दितवाह के खतरे को देखने हुए मौसम विभाग ने दक्षिण भारत के कई इलाकों में तेज बारिश की चेतावनियां जारी की हैं। तूफान दितवाह को लेकर मौसम विज्ञान के डायरेक्टर जनरल, डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि साइक्लोन तूफान श्रीलंका के तटीय इलाकों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर है। यह चेन्नई से लगभग 480 किलोमीटर दक्षिण में है। यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह 29 तारीख की सुबह तक श्रीलंका से निकलकर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में आ जाएगा। इस दौरान इसमें थोड़ी तेजी आ सकती है। साइक्लोन तूफान उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और 30 तारीख की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तट के पास पहुंच जाएगा। इसके असर से तमिलनाडु, दक्षिण आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। बारिश से स्थानीय स्तर पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। पहाड़ी इलाकों में अचानक बाढ़ जैसे हालात भी बन सकते हैं।

डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि 29 और 30 तारीख को तमिलनाडु, दक्षिण आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तटों पर समुद्र में खराब मौसम हो सकता है। तूफानी लहरें उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के निचले इलाकों में पानी भर सकती हैं, इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, मछुआरों को 30 तारीख तक समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। तमिलनाडू के कुड्डालोर जिले के कलेक्टर सिबी अधित्या ने बताया कि साइक्लोन दितवाह को लेकर IMD ने कुड्डालोर डिस्ट्रिक्ट के लिए बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। जिला प्रशासन इसको लेकर पूरी तरह से तैयार है। कलेक्टर सिबी अधित्या ने कहा कि हमने 22 बहुत ज्यादा खतरे वाली जगहों और 39 ज्यादा खतरे वाली जगहों की पहचान की है, जहां पानी आमतौर पर जमा रहता है। हमने लोगों और सामान, खासकर मोटर को पहले से तैनात कर दिया है, ताकि पानी जमा होने और पानी भरने की समस्या को तुरंत ठीक किया जा सके। हमने 233 राहत सेंटर भी पहचाने हैं जहां लोगों को निकालकर सुरक्षित रखा जा सकता है, और जहां खाना और पानी दिया जा सकता है।

पति-पत्नी को हाथियों ने रौंदा, खेत में मिली दो की लाश

सरगुजा। हाथी प्रभावित क्षेत्र प्रतापपुर में गज दल ने एक दंपत्ति की जान ले ली। हाथी के हमले से हुई मौतों से पूरे गाँव में दहशत का आलम है। लोग घरों में दुबके हुए हैं। जानकारी के मुताबिक प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के कपसरा बिसाही मोड़ गांव में पति-पत्नी अपने काटे गए धान की फसल की रखवाली के लिए खलिहान में सोए हुए थे। वहीं आधी रात हाथियों का एक दल खलिहान में आ पहुंचा। हाथियों के शोर से जैसे ही दंपत्ति ने हरकत की, हाथियों ने उन दोनों को कुचल दिया। इस हमले में दंपत्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की जानकारी जैसे ही वन विभाग को मिली, कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। वे फौरन सदल-बल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। उन्होंने पंचनामा तैयार करने के बाद दोनों शव को जब्त कर अस्पताल भिजवाया। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क किया है कि क्षेत्र में इन दिनों हाथियों का दल विचरण कर रहा है, लिहाजा अंधेरा होने के बाद अकेले बाहर न निकलें। विभाग ने ग्रामीणों को चेताया है कि वे फिलहाल जंगलों की तरफ न जाएं और पूरी सतर्कता बरतें। विभाग ने पीड़ित परिवार को हर तरह से सरकारी, आर्थिक मदद का भरोसा दिया है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर पलटा, दो की मौत और चार घायल

मीरजापुर 29 नवंबर। मड़िहान के भांवा बाजार के पास शनिवार सुबह छह बजे तेज रफ्तार ट्रक ने एक ट्रैक्टर में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में शंकर और उनके छोटे भाई के बेटे 15 साल के संदीप की मौके पर मौत हो गई और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को मड़िहान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मटिहानी गांव निवासी परिवार सोनभद्र के घोरावल के धनवाल गांव में बेटी के घर बधाव (पुत्र जन्म की खुशी में भेंट) देने गया था। शनिवार सुबह लौटते समय भांवा बाजार के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रैक्टर में टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया। पुलिस सीसीटीवी आदि की मदद से उसकी तलाश कर रही है।

नेशनल हेराल्ड केस राऊज एवेन्यू कोर्ट में ईडी की चार्जशीट पर फैसला टला

अब 16 दिसंबर को सुनाया जाएगा आदेश

नईदिल्ली 29 नवंबर [एजेंसी]।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने का फैसला टाल दिया। अब अदालत 16 दिसंबर को अपना आदेश सुनाएगी, हालांकि ईडी की जांच पर कांग्रेस की दलील थी कि यह राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। इस मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोपी बनाया गया है। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों पर गलत तरीके से कब्जा किया। एजेंसी का दावा है कि यह पूरी योजना महज 50 लाख रुपए में यंग इंडियन नाम की कंपनी के माध्यम से की गई। इस कंपनी में सोनिया और राहुल गांधी की अधिकांश हिस्सेदारी है। अदालत ने 7 नवंबर को आदेश सुरक्षित रखते हुए ईडी से कुछ अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगे थे। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने कहा था कि कुछ दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन की जानकारी को और गहराई से देखना जरूरी है। अदालत ने केस रिकॉर्ड की जांच के बाद बताया कि लेन-देन से जुड़े दस्तावेज, कथित किराए की रसीदें और फंड फ्लो का पूरा पैटर्न विस्तार से देखने के बाद ही फैसला लिया जा सकता है।

नेशनल हाइवे 30 में युवक की मौत, स्टॉपर से टकराई बाइक

केशकाल। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 स्थित मांझीआठगांव में रात 8.30 बजे भीषण हादसा हुआ। सड़क पर सुरक्षा के लिए लगाए गए स्टॉपर से एक बाइक सवार किरण नेताम अनियंत्रित होकर सामने से आती बाइक से टकरा गया। घटना में किरण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार मंगल राम नाग गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि स्कूल में आयोजित जोन स्तरीय कार्यक्रम के कारण स्टॉपर लगाए गए थे, लेकिन चेतावनी संकेत स्पष्ट नहीं थे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था और संकेतकों में लापरवाही का आरोप लगाया है और प्रशासन से इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

जेल में कैद आसाराम के बेटे नारायण साई पर एक और मामला दर्ज, सेल से मोबाइल फोन बरामद

सूरत। आसाराम के बेटे नारायण साईं की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे नारायण साईं के खिलाफ सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में मोबाइल फोन रखने और उसका इस्तेमाल करने का नया मामला दर्ज किया गया है। यह मामला सचिन पुलिस थाने में दर्ज हुआ है। जेल प्रशासन को गुरुवार को गुप्त सूचना मिली थी कि हाई-सिक्योरिटी बैरक नंबर-1 में बंद नारायण साईं के पास मोबाइल फोन है। सूचना मिलते ही जेल स्क्वॉड ने तुरंत कार्रवाई की और नारायण साईं के अलग सेल की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान लोहे के मुख्य दरवाजे के पीछे एक स्मार्टफोन चुंबक की मदद से चिपकाया हुआ मिला। फोन के अलावा उसके पास जियो कंपनी का एक सिम कार्ड भी बरामद हुआ। जांच में पता चला कि नारायण साईं बेहद शातिराना तरीके से फोन का इस्तेमाल करता था। वह बातचीत पूरी होने के बाद तुरंत फोन से बैटरी और सिम कार्ड निकाल लेता था। सिम कार्ड को वह अपने पास रखता था, जबकि बैटरी को सुरक्षा के लिए सेंट्री रूम में छिपा देता था। जेल स्टाफ की सतर्कता से सेंट्री रूम के दरवाजे में लगे नाकूचे (की-होल) के अंदर छिपाई गई बैटरी भी बरामद कर ली गई।

ईडी की बड़ी कार्रवाई: तीन राज्यों में ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट का खुलासा

गुवाहाटी, 29 नवंबर [एजेंसी]।

डायरेक्टरेट ऑफ़ एनफोर्समेंट ने 27 नवंबर को आइजोल और चम्फाई (मिजोरम), करीमगंज (असम) में श्रीभूमि और अहमदाबाद (गुजरात) में मिलकर सर्च ऑपरेशन के बाद मिजोरम, असम, गुजरात, पश्चिम बंगाल और दूसरे राज्यों में फैले एक बड़े नारकोटिक्स से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह सर्च प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट , 2002 के तहत की गई थी, जो मिजोरम पुलिस द्वारा NDPS एक्ट के तहत दर्ज की गई FIR पर आधारित थी, जिसमें 1.41 करोड़ रुपये की 4.724 kg हेरोइन ज़ब्त की गई और नौ लोगों को अरेस्ट किया गया। फाइनेंशियल एनालिसिस से पता चला कि मिजोरम की कंपनियों को गुजरात की फर्मों से जोड़ने वाली एक सप्लाई चेन है, जिसमें कृषिव एंटरप्राइजेज भी शामिल है, जिसने कथित तौर पर 2024-25 में 4.54 करोड़ रुपये की स्यूडोएफ़ेड्रिन टैबलेट और कैफीन एनहाइड्रस सप्लाई की थी।

मेथामफेटामाइन प्रोडक्शन के लिए प्रीकर्सर और प्री-प्रीकर्सर के तौर पर क्लासिफाइड मटीरियल को हेनरी लालबियाकजिंगा, लाल्टलुआंगज़ेला और बेंजामिन लालावम्पुई से जुड़ी फर्मों को भेजा गया था। इन ऑपरेटिव्स ने कथित तौर पर स्मगलिंग और हवाला ट्रांज़ैक्शन करने के लिए असम के अबू सालेह सैफ उद्दीन और मिज़ोरम के ज़ोडिनथारा और लालरामपारी जैसे आदतन अपराधियों का इस्तेमाल किया। कोलकाता-बेस्ड शेल फर्मों से लिंक ईडी को मिज़ोरम की एंटिटीज़ जैसे बिल एंटरप्राइजेज, RK टू सिस्टर्स स्टोर, LH फार्मेसी और KC फार्मेसी और कोलकाता-बेस्ड शेल कंपनियों, जिसमें महासिन ट्रेडकॉम भी शामिल है, जिसे मोहम्मद ज़फ़र मैनेज करता है, जो अबू सालेह से जुड़ा है, के बीच फाइनेंशियल कनेक्शन मिले।

पगड़ी रस्म

जन्म तिथि 01/01/1928 | निर्वाण 19/11/2025

स्व. रामेश्वर लाल जी सिंघानिया (नेताजी)

बड़े ही दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य पिताजी स्वर्गीय श्री रामेश्वर लाल जी सिंघानिया (नेता जी) का दुखद निधन दिनांक 19/11/2025 दिन बुधवार को हो गया है। जिनका बारहवा (पकड़ी रस्म) एवं भोग प्रसाद दिनांक 30/11/2025 रविवार को संपन्न होगा। मृत आत्मा की शांति एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं।

भोज प्रसाद - 30/11/2025 रविवार दोपहर 12:00 से
स्थान - निज निवास,नेताजी फर्नीचर्स, नेताजी चौक, जांजगीर

विनीत : नारायण, शंकर, पवन (पुत्र)
एवं समस्त सिंघानिया परिवार
जांजगीर-नैला एवं अकलतरा

फिर कटी पाकिस्तान की नाक, ऑक्सफोर्ड में डिबेट से पहले भागा, भारतीय ने खोल दी पोल

नई दिल्ली 29 नवंबर । भारत-पाकिस्तान में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस बार की वजह ब्रिटेन में ऑक्सफोर्ड यूनियन की डिबेट का रद होना है। डिबेट में भारत-पाक नीति पर बहस होना था। इसके लिए पाकिस्तान और भारत के वक्ताओं को हिस्सा लेना था। लेकिन आखिर टाइम में पाकिस्तानी पक्ष ने यू-टर्न ले लिया और शामिल नहीं हुआ। दरअसल, पाकिस्तान ने आखिर वक्त में डिबेट से दूरी बनाकर उसे कैंसिल तो करा दिया, लेकिन इसका इल्जाम भारत के सिर मढ़ दिया। पाकिस्तान उच्चायोग ने अफवाह फैलाया कि भारतीय वक्ता विश्वास की कमी से पीछे हटे। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत के वक्ता साई दीपक ने सामने आकर सच्चाई बताई और ईमेल-कॉल लॉग साझा कर पाकिस्तान की बेशर्मी उजागर किया।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड
घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

कर्नाटक में सीएम पद पर विवाद

सिद्धारमैया के घर नाश्ते के लिए पहुंचे शिवकुमार

बंगलूरू। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लेकर चल रही खींचतान के बीच शनिवार सुबह डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार नाश्ते के लिए सीएम सिद्धारमैया के आवास पर पहुंचे। बताया गया है कि यहां दोनों नेता सीएम पद पर चल रहे विवाद को लेकर चर्चा की। इसके बाद दोनों ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। सीएम सिद्धारमैया ने इस दौरान कहा कि उनके और शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे प्रति फैलाई गई गलतफहमी थी, जिसके पीछे भाजपा थी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, उनके बीच कर्नाटक में होने वाले 2028 के विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई। इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नाश्ते के दौरान एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज सुबह नाश्ते के लिए कावेरी रेजिडेंस पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात हुई। कर्नाटक की प्राथमिकताओं और आगे के रास्ते पर एक अच्छी चर्चा हुई।

कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के बीच जारी सियासी तनाव पर सख्त कदम उठाते हुए दोनों से जल्द से जल्द खुद इस मामले को सुलझाने को कहा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शीर्ष नेतृत्व ने दोनों से अलग-अलग बात कर उन्हें मामला सुलझाने के लिए कहा। आलाकमान से आए फोन के बाद शनिवार को सिद्धरमैया ने शिवकुमार को सुबह के नाश्ते पर आमंत्रित किया था। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा, कोई डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाना चाहता है, कोई सिद्धारमैया को बनाए रखना चाहता है, और कोई मुझे सीएम बनाना चाहता है, और कोई किसी और को चाहता है। इसलिए आप लोगों की उम्मीदों को रोक नहीं सकते।

प्री. मेडिकल एवं प्री. इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु पात्र अभ्यर्थियों का प्राक्चयन परीक्षा 02 दिसंबर को

कोरबा । प्री0 मेडिकल एवं प्री0 इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए जिला स्तर पर आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया था। जिलों सेपरीक्षण उपरांत पात्र पाये गये अभ्यर्थियों का प्राक्चयन परीक्षा 02 दिसंबर मंगलवार को दोपहर 12 बजे से 02 बजे तक प्रयास बालक आवासी विद्यालय सड्डू उरकुरा मार्ग रायपुर में आयोजन किया जा रहा है।

प्राक्चयन परीक्षा में शामिल होने हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची विभागीय वेब साईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट ट्रायबल डाट सीजी डाट इन पर अपलोड है। साथ ही पात्र अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि इसी वेबसाईट पर अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर अपना रोल नंबर, स्वयं सत्यापित फोटो तथा संपूर्ण विवरण भरकर स्वयं परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होवें।

जिले में संचालित अपंजीककृत पेट शॉप एवं ब्रीडिंग सेंटर का पंजीयन कराने के संबंध में निर्देश

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत पालतू पशु दुकान एवं डॉग ब्रीडिंग सेंटर को संचालन दिनांक के 60 दिवस के भीतर पालतू पशु दुकान नियम 18 की कंडिका 3 (ख) के तहत छ0ग0 जीव जंतु कल्याण बोर्ड में पशु प्रजनन एवं विपणन नियम 2017 के अंतर्गत पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है। पालतू पशु दुकान नियम 2018 के तहत पालतू पशु अंतग्त श्वान, बिल्ली, खरगोश, मिनी पिग हेम्स्टर, मूसक, चूहिया तथा पिंजरा बंद पक्षी (एक्जॉटिक रंगीन चिड़िया) शामिल हैं।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें कोरबा से प्राप्त जानकारी के अनुसार समस्त संचालित अपंजीकृत पशु दुकानों एवं ब्रीडिंग सेन्टर संचालकों को सूचित किया गया है कि वे 15 दिवस में छ0ग0 जीव जंतु कल्याण बोर्ड में अपना पंजीयन अवश्य करावें। अन्यथा नियमानुसार निषेध की कार्यवाही की जायेगी। पंजीयन हेतु समस्त जानकारी कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें कलेक्टोरेट परिसर कोसाबाड़ी कोरबा से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

जिला प्रशासन की त्वरित जांच कार्रवाई फोर्टिफाइड राइस की पुष्टि

कोरबा । मीडिया संस्थानों द्वारा वाहन क्रमांक सीजी 12 बीएच 9569 के दुर्घटनाग्रस्त होने पर उसमें लदे 70 बोरी चावल को प्लास्टिक चावल बताकर समाचार प्रसारित किया गया था। इस सूचना पर प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की और विस्तृत जांच कराई। दुर्घटना के बाद संबंधित वाहन को थाना बांगो लाया गया, जहां क्वालिटी इंस्पेक्टर द्वारा चावल की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। जांच में यह पाया गया कि वाहन में कुल 70 बोरी, प्रत्येक 40 किलोग्राम के अनुसार लगभग 30 क्विंटल चावल लदा था। दुर्घटनाग्रस्त वाहन बोलेरो पिक-अप (सीजी 12 बीएच 9569) है, जो कंचन मीरी राइस मिल रतनपुर से चिरमिरी की ओर जा रहा था। वाहन में मौजूद टैक्स इनवॉइस की जांच करने पर यह भी पुष्टि हुई कि चावल पी.आर. फूड्स, कटघोरा से विधिवत रूप से भेजा गया था और सभी दस्तावेज सही पाए गए।

गुणवत्ता परीक्षण में चावल सामान्य फोर्टिफाइड राइस पाया गया तथा जांच के दौरान कहीं भी प्लास्टिक चावल या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि का प्रमाण नहीं मिला। परिवहन प्रक्रिया भी संपूर्ण रूप से वैध पाई गई। जांच में यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित हुआ कि वाहन में लदा चावल पूरी तरह मानक एवं सुरक्षित फोर्टिफाइड चावल है। 'प्लास्टिक चावल' बताए जाने संबंधी समाचार भ्रामक, असत्य एवं आधारहीन हैं।

अपर कलेक्टर देवेन्द्र पटेल को अपीलीय अधिकारी का प्रभार

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से पूर्व में जारी कार्य विभाजन आदेश में आंशिक संशोधन किया गया है।जारी संशोधित आदेश के अनुसार सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत अपर कलेक्टर श्री देवेन्द्र पटेल को अपीलीय अधिकारी और संयुक्त कलेक्टर श्री ओंकार यादव को कार्यालय कलेक्टर कोरबा के लिए जन सूचना अधिकारी का प्रभार अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सौंपा गया है।

ग्राम स्याहीमुड़ी विद्यालय के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कोरबा । कोरबा जिले में संचालित गवर्नमेंट हाईस्कूल स्याहीमुड़ी के छात्रों ने विद्यालय परिसर स्थित मैथ्स गार्डन की सफाई और पेड़ों की छंटनी से इकट्ठा की गई सूखी पत्तियों से जैविक खाद बनाना सीखा। भुईयां ईको क्लब के मार्गदर्शन में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। खेती में जैविक खाद के महत्व की शिक्षकों ने जानकारी दी और अपने आसपास के किसानों को खेतों में जैविक खाद डालने प्रेरित करने पर जोर दिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. फरहाना अली ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। हमारे आसपास गिरने वाली पत्तियां प्राकृतिक संपदा है। इन्हें फेंकना या जलाना पर्यावरण को प्रदूषित करता है। इन्हीं पत्तियों से तैयार लीफ मोल्ड कम्पोस्ट मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में अमूल्य साबित होता है। विद्यालय परिसर को हरित रखने और छात्रों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने खाद लीफ मोल्ड कम्पोस्ट बनाने का प्रशिक्षण कारगर पहल है। घर और समुदाय में छात्र-छात्राएं पर्यावरण मित्र पहल को आगे बढ़ाएं। छात्रों को कम्पोस्ट तैयार करने की विधि को विस्तार से समझाया। शिक्षिकाओं ने स्वयं इस प्रक्रिया में छात्रों के साथ सहभागी बनकर उत्साहवर्धन किया। छात्रों को पत्तियों की खाद बनाने की संपूर्ण प्रक्रिया समझाई। इनमें पत्तियों को इकट्ठा कर परतों में व्यवस्थित रखना, उन्हें नम रखना, समय-समय पर पलटना और प्राकृतिक रूप से सड़कर तैयार होने वाले लीफ मोल्ड को गार्डन में उपयोग करना। ईको क्लब प्रभारी प्रभा साव ने कहा कि छात्रों का ईको क्लब लंबे समय से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते आ रहा है। छात्रों को कचरा प्रबंधन, पौधरोपण, संरक्षण गतिविधियों और जैविक खाद बनाने जैसे उपयोगी कौशल सिखाते हैं। हमारा उद्देश्य छात्रों में यह समझ विकसित करना है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। यदि वे आज पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने की आदत सीख लें तो भविष्य में एक हरित और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्याता जगेश्वर लहरे का सहयोग मिला।

सभापति ने बनाया सलाहकार समिति

कोरबा। छत्तीसगढ़ सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने किया नगर निगम में सलाहकार समिति का गठन, नरेंद्र, अशोक व अब्दुल रहमान समेत इन्हें बनाया गया सदस्य353 0कोरबा। नगर निगम कोरबा क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं के विकास, प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनहित के कार्यों में पार्षदो से सलाह प्राप्त करने विभिन्न विभागों में 'सलाहकार समिति' का गठन अध्यक्ष नगर पालिक निगम द्वारा किया जाता है।

ट्रेड यूनियन की चिंता, नए कानून प्रबंधन के साथ संयुक्त वार्ता की परंपरा को कर देंगे चौपट

नए कानून में कई प्रकार के प्रावधान किए गए शामिल

कोरबा। केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए चार नए लेबर कोड कानूनों का देशभर की संयुक्त ट्रेड यूनियनों की ओर से कड़ा विरोध किया जा रहा है। खासतौर पर कोल सेक्टर में यूनियनें इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड-2020 को लेकर ज्यादा सक्रिय और नाराज हैं। उनका कहना है कि इस कोड में ट्रेड यूनियनों से जुड़े ऐसे प्रावधान शामिल किए गए हैं, जो श्रमिक वर्ग के हितों के खिलाफ हैं।

नए इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड के अनुसार किसी उद्योग में 51 प्रतिशत सदस्यता वाली यूनियन ही नियोक्ता से वार्ता करने के लिए अधिकृत होगी। यदि किसी उद्योग में एक से अधिक यूनियनें सक्रिय हैं और कोई भी यूनियन 51 प्रतिशत सदस्यता का दावा नहीं करती, तो बोर्ड अथवा परिषद का गठन किया जाएगा। इस बोर्ड में शामिल होने के लिए यूनियन के पास कम से कम 20 प्रतिशत सदस्यता होना अनिवार्य होगा। कोल सेक्टर की बात करें तक बीएमएस, सीटू, इंटक, एटक और एचएमएस जैसी यूनियनें लंबे समय से प्रबंधन के साथ द्विपक्षीय चर्चाओं के माध्यम से कर्मचारियों से संबंधित मुद्दों का समाधान करती रही हैं। लेकिन नए कोड के प्रभावशील होने के बाद यह व्यवस्था बदल जाएगी।संयुक्त यूनियनों का कहना है कि यह प्रावधान छोटे संगठनों के लिए और ज्यादा घातक सिद्ध होगा और सभी यूनियनों के साथ संयुक्त वार्ता की परंपरा को खत्म कर देगा। यूनियनें पहले से ही वर्क्स कमेटी के प्रावधान का विरोध करती रही हैं। उनका कहना है कि वर्क्स कमेटी में केवल कामगारों को शामिल किया जाता है, जबकि वर्तमान में कई

गैर-वर्कर भी यूनियन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। नए कोड के तहत हड़ताल को लेकर भी नियम सख्त किए गए हैं। पहले आवश्यक सेवाओं में लगे कामगार कभी भी नियोक्ता को नोटिस देकर आंदोलन पर जा सकते थे। लेकिन अब सभी श्रेणी के कर्मचारियों को हड़ताल से पहले 14 दिन पहले सूचना देना अनिवार्य कर दिया गया है। एक तरफ जहां संयुक्त यूनियन नए श्रम कानून का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कोयला उद्योगों में प्रबंधन की ओर से कर्मचारियों को इसकों लेकर जागरूक भी किया जा रहा है। प्रबंधन नए लेबर कोड को कर्मचारियों के लिए ज्यादा फायदेमंद बता रही है। इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम भी हो रहे हैं।

गुरप्रीत को कुचलने की कोशिश, थार चालक को एडीजे कोर्ट ने दी 18 दिन की सजा

कोरबा। ट्रांसपोर्ट नगर में करीब आठ माह पहले ट्रांसपोर्टनगर क्षेत्र में कॉफी हाउस के पास गन्ने के ठेले को ठोकर मारकर भागते समय दो लोगों की जान जोखिम में डालने से जुड़े मामले में कोर्ट ने थार चालक को लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाने का दोषी ठहराया है। उसे 18 दिन की कारावास से दंडित किया है।

थार चालक का नाम राकेश यादव उम्र 28 वर्ष है, जो रेलवे कॉलोनी शक्ति नगर दीपका का रहने वाला है। अभियोजन पक्ष ने बताया कि इस साल दो मार्च की रात करीब 9.15 बजे कोरबा के ट्रांसपोर्टनगर क्षेत्र में बंटी शू- पैलेस के पास काले रंग की थार के चालक ने यहां स्थित रवि रंजन के गन्ना दुकान को ठोकर मार दिया था। घटना के समय रवि रंजन ने थार की फोटो लेने का प्रयास किया। तब चालक ने कई बार थार को आगे पीछे किया। रवि रंजन के दुकान को अनेक बार ठोकर मारा नुकसान पहुंचाया। रविरंजन जान बचाकर भागा। इसके बाद थार चालक ने मेनरोड पर खड़ी आर्टिगा कार को टक्कर मारा। रास्ते में गुरप्रीत सिंह को कुचलने का प्रयास किया। गुरप्रीत ने इसकी रिपोर्ट सीएसईबी चौकी में दर्ज कराई थी। पुलिस ने केस दर्जकर थार चालक को गिरतार कर लिया था। इसकी सुनवाई कोरबा के प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायालय में चल रही थी। न्यायाधीश गरिमा शर्मा की अदालत ने राकेश यादव को लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने का दोषी माना। उसे 18 दिन की सजा से दंडित किया है। कोर्ट ने यह सजा 19 नवंबर को अपने आदेश में दिया।

कड़ी मेहनत, बदलते दौर और सुविधाओं का साथ - 90 वर्षीय किसान राम सिंह आज भी कर रहे खेती किसानी

कोरबा (जिले के पोंड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम घोसरा के 90 वर्षीय किसान राम सिंह आज भी पूरी लगन के साथ खेती-किसानी में जुटे हुए हैं। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनका उत्साह और काम के प्रति समर्पण युवाओं को प्रेरित करता है। वर्षों से खेती कर रहे किसान राम सिंह ने खेती की कठिनाइयों और बदलते समय के साथ हुए सुधारों को बहुत करीब से देखा और महसूस किया है।राम सिंह बताते हैं कि पहले धान की खेती करना जितना कठिन था, उससे भी ज्यादा चुनौती थी-धान को उपार्जन केंद्र तक पहुंचाना और बेचना। क्षेत्र में बारिश का इंतजार करते हुए किसान चिंतित रहते थे। कभी बारिश कम होती, तो कभी ज्यादा। खराब मौसम में फसल न होने पर किसान की पीड़ा और परेशानियों को वही अच्छे से समझ सकते हैं जिन्होंने उसे झेला है। वे बताते हैं कि जब मौसम साथ देता था और फसल अच्छी हो जाती थी, तब उसे बेचने में कई तरह की मुश्किलें सामने आती थीं। उपार्जन केंद्रों में लंबी-लंबी लाइनें लगती थीं, टोकन जैसी व्यवस्था नहीं थी, और किसानों को कई-कई दिन वहीं रुककर अपनी धान की रखवाली करनी पड़ती थी। फसल बोने से लेकर बेचने तक किसान हर कदम पर संघर्ष करता था।

ढाई एकड़ में खेती करने वाले किसान राम सिंह बताते हैं कि पहले खाद और अन्य संसाधनों के लिए साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता था, जिस पर अधिक ब्याज देना पड़ता था। इससे किसान की मुश्किलें और बढ़ जाती थीं। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। समय के साथ किसानों को अनेक सुविधाएं मिलने लगी हैं। सरकार द्वारा धान के समर्थन मूल्य में वृद्धि, अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि, किसान क्रेडिट कार्ड, खाद और ऋण की आसान उपलब्धता ने किसानों का बोझ कम किया है। उपार्जन केंद्रों में पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था, शौचालय और छाया जैसे सुविधाजनक इंतजामों ने किसानों की परेशानी को काफी हद तक घटाया है। राम सिंह कहते हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। किसानों का कर्ज माफ किया गया है और उन्हें योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है, जिससे खेती अब पहले की तुलना में अधिक सहज और लाभदायक हो गई है।

90 वर्ष की आयु में भी खेती के प्रति ऐसा समर्पण और सरकारी सुविधाओं का बेहतर उपयोग करते हुए जीवनयापन करने की यह कहानी सचमुच प्रेरणादायक है। राम सिंह जैसे किसान ही इस बात का प्रमाण हैं कि मेहनत, दृढ़ता और सही सहयोग मिल जाए तो खेती एक सम्मानजनक और समृद्ध जीवन दे सकती है।

जल संरक्षण को जनांदोलन बनाने हेतु वाटरशेड महोत्सव में सोशल मीडिया प्रतियोगिता का आयोजन

कोरबा। जल संरक्षण एवं भूमि संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के सहयोग से वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव की प्रमुख गतिविधियों में सोशल मीडिया प्रतियोगिता शामिल की गई है, जिसका मुख्य लक्ष्य समुदायों में जल संरक्षण कार्यों और उनसे प्राप्त लाभों को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करना है। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों को 12 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक वाटरशेड विकास घटक—प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (1.0 एवं 2.0) तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों की अन्य वाटरशेड विकास योजनाओं के अंतर्गत निर्मित जल संचयन संरचनाओं जैसे चेकडेम, स्टाडेम, तालाब, डबरी और उद्यानिकी तथा कृषि वानिकी वृक्षारोपण से समुदाय को प्राप्त लाभों को दर्शाते हुए 30 से 60 सेकंड की अवधि के लघु वीडियो, रील्स और फोटोग्राफ तैयार कर सोशल मीडिया पर के साथ अपलोड करना होगा। प्रतियोगिता में सहभागी बनने के लिए प्रतिभागियों को 1 पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा।विजेताओं का चयन सोशल मीडिया पर प्राप्त रीच, इंगेजमेंट, विषय की प्रासंगिकता, रचनात्मकता एवं मौलिकता तथा दृश्य और तकनीकी गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में रीच का 45 प्रतिशत, इंगेजमेंट का 25 प्रतिशत, विषय की प्रासंगिकता का 10 प्रतिशत, रचनात्मकता एवं मौलिकता का 10 प्रतिशत तथा दृश्य एवं तकनीकी गुणवत्ता का 10 प्रतिशत भार निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ रील के लिए 50,000 रुपये और सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ के लिए 1,000 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।प्रतियोगिता में जमा की गई सामग्री पूर्ण रूप से भूमि संसाधन विभाग (छ्रश्वक्र) के कॉपीराइट के अधीन होगी, जिसका उपयोग विभाग द्वारा विभिन्न प्रचार और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकेगा। प्रतियोगिता के नियमों के तहत अश्लील सामग्री अथवा कृत्रिम रूप से बढ़ाए गए व्यूज और इंगेजमेंट को अस्वीकार किया जाएगा।

भाषण को सराहा अतिथियो ने-किया पुरस्कृत

कोरबा। गवर्नमेंट मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज कोरबा के राजनीति विज्ञान विभाग ने संविधान दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर टी.आर. भारद्वाज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेन्द्र सिंह ने की। अतिथियों ने संविधान में मौलिक अधिकारों पर छात्राओं के भाषण को सराहा। इन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हिन्दी विभागाध्यक्ष वरिष्ठ प्राध्यापक संध्या पांडे, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंजली राय, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. पी.के. सिन्हा, कार्यशाला के संयोजक व राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद साहू रहे।

कोरबा। केंद्र सरकार ने देशभर में कोयले की खोज में निजी कंपनियों को भी शामिल कर लिया है। इस पहल का उद्देश्य कोयला खदानों के संचालन में तेजी लाना और उत्पादन को बढ़ाना है। सरकार ने कोयला तथा लिग्नाइट की खोज एवं अन्वेषण के लिए अधिकृत एजेंसियों की सूची का विस्तार करते हुए 18 नई संस्थाओं को इसमें शामिल करने

एकल शिक्षक से मिली राहत: सरपता प्राथमिक शाला में नए शिक्षक के आगमन से बदली शिक्षा की तस्वीर

युक्ति युक्तकरण से स्कूल के विद्यार्थियों में बना पढाई का माहौल

कोरबा । पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के अंतर्गत दूरस्थ ग्राम सरपता स्थित प्राथमिक शाला वर्ष 1981 से संचालित है, लेकिन विगत कुछ वर्षों से यहां शिक्षकों की कमी गंभीर समस्या बनी हुई थी। विद्यालय में वर्तमान में 51 बच्चे अध्ययनरत हैं, जिनमें अधिकांश बच्चे अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति वर्ग के हैं। विद्यालय में प्रधान पाठक श्री रामशरण मरकाम वर्ष 2006 से सेवा दे रहे हैं। लंबे समय तक विद्यालय एकल शिक्षक के रूप में संचालित होता रहा, जिसके कारण न केवल प्रधान पाठक को पढ़ाई कराने में कठिनाई होती थी बल्कि विद्यार्थियों को भी एक ही कक्षा में बैठकर अन्य कक्षाओं की पढ़ाई करनी पड़ती थी।

कक्षा पाँचवीं में पढ़ने वाली सुमित्रा, कविता, यशवंत और कक्षा चौथी के अमित, अतीत, हेमा और सोनू बताते हैं कि पहले विद्यालय में सिर्फ एक ही गुरुजी थे, जिससे पढ़ाई में मुश्किल होती थी। अब नए शिक्षक श्री शांतिलाल कश्यप के आने से उन्हें नियमित रूप से कक्षाएं मिल रही हैं और पढ़ाई में निरंतरता बनी हुई है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना एकल शिक्षक विद्यालयों में की जा रही है। इसी पहल के अंतर्गत सरपता प्राथमिक शाला में 30 जुलाई 2025 से सहायक शिक्षक श्री शांतिलाल कश्यप की पदस्थापना की गई, जिसके बाद विद्यालय की स्थिति में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने

लगे हैं।विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक बताया कि उन्हें दोपहर में मध्यान्ह भोजन और सुबह नाश्ता मिलता है। नए शिक्षक के आने से उनकी पढ़ाई में आई रुकावट खत्म हुई है और अब वे नियमित कक्षाओं के साथ बेहतर शिक्षा प्राप्त कर पा रहे हैं। सरपता प्राथमिक शाला की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही समय पर शिक्षकों की नियुक्ति और शासन की दूरदर्शी पहल से दूरस्थ क्षेत्रों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है।

जटगा धान उपार्जन केंद्र में एसडीएम का आकस्मिक निरीक्षण, 45 कट्टी संदिग्ध धान जब्त

कोरबा(एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा श्री मनोज कुमार बंजारे द्वारा आज 28 नवंबर को धान उपार्जन केंद्र जटगा, तहसील पसान का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किसान शेर सिंह पिता अंगद सिंह द्वारा लाए गए 45 कट्टी धान का तौल पर्ची प्रस्तुत नहीं किया गया। धान की वैधता संदिग्ध पाए जाने पर उसे जब्त किया गया।

जब्त धान को धान उपार्जन केंद्र जटगा के प्रबंधक श्री नारायण मरकाम को सुपुर्द किया गया तथा मंडी अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई हेतु मंडी सचिव कटघोरा को सूचना प्रेषित की गई।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

कोरबा। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारियों ने सुबह 11 बजे सांसद ज्योत्सना महंत से उनके निवास में मुलाकात कर अखबार वितरकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। संघ ने सांसद महंत को एक लिखित आवेदन सौंपा, जिसमें वितरण व्यवस्था, आर्थिक कठिनाइयों तथा सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर तत्काल समाधान की मांग की गई।आवेदन पढ़ने के बाद सांसद ज्योत्सना महंत ने संघ के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि वे उठाई गई सभी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।मुलाकात के दौरान संघ के संरक्षक रेशम साहू, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, राय सिंह, रामा, अनिल गिरी, दिलबाग, यश नेताम, दिलीप यादव, राकेश तथा इकाई बालको के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोदो-रागी की फसल देखने बुंदेली पहुंचे तहसीलदार

कोरबा । कोरबा बुंदेली में 5.50 एकड़ में लगी कोदो और रागी की फसल का रकबा जीरो करने का मामला सामने आने के बाद प्रशासन भी सक्रिय हो गया। भैसमा तहसीलदार के.के. लहरे ने शुक्रवार को खेत का निरीक्षण किया। इसके बाद ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचनामा भी बनाया। वे अपनी रिपोर्ट प्रशासन को देंगे। जानकारी के अनुसार तहसीलदार के.के. लहरे, पटवारी अर्चना कंवर, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी गिरजा साहू ग्राम बुंदेली पहुंचे थे। ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर कोदो और रागी की फसल लगी थी। इसके बाद भी एकीकृत किसान पोर्टल में रकबा जीरो कैसे हो गया। प्रशासन की टीम ने यह तर्क दिया कि पौधे काफी छोटे हैं। इस वजह से फोटो नहीं आ रहा है। खेत में अभी भी फसल लगी हुई है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी का कहना हैं की कोदो के पौधे घास जैसे ही दिखता है। कृषक सुनील वर्गीज फसल ले रहे हैं, लेकिन कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य है।

जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बने मनोज झा

कोरबा । प्रभारी मंत्री अरुण साव की अनुशंसा पर मनोज झा को अध्यक्ष पद का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया हैं। बरपाली क्षेत्र के शैक्षणिक और विकासात्मक परिदृश्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शासकीय महाविद्यालय बरपाली की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष पद का दायित्व मनोज झा को सौंपा गया है।

यह नियुक्ति प्रभारी मंत्री अरुण साव की अनुशंसा पर की गई, जिसे क्षेत्र में अत्यंत सकारात्मक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। मनोज झा वर्तमान में जनपद पंचायत करतला के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं और लंबे समय से जनहित के मुद्दों, क्षेत्रीय विकास, शिक्षा के प्रसार, सामाजिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। इसी अनुभव और जनसंपर्क क्षमता को देखते हुए उन्हें यह अहम जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। मनोज झा की नियुक्ति से महाविद्यालय में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी आने की संभावना है। जिसके अंतर्गत शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, अधोसंरचना एवं सुविधाओं का विस्तार, छात्रहित योजनाओं को बढ़ावा, कॉलेज-समुदाय सहभागिता को नया आयाम, रोजगार एवं कौशल विकास गतिविधियों में वृद्धिउनसे उम्मीद जताई जा रही है कि वे कॉलेज को क्षेत्र के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में बदलने की दिशा में ठोस प्रयास करेंगे।

मोदी के दौरे से एसआईआर अभियान रफ्तार पर

कोरबा । भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कोसाबाड़ी मंडल के विभिन्न बूथों रामपुर, खरमोरा, पोड़ीबहार, रिसदी, आर.पी.नगर के लगभग 20 बूथो का सघन मैदानी निरीक्षण करते हुए एसआईआर अभियान को नई गति और दिशा प्रदान की। उन्होंने बूथ प्रभारियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथ प्रबंधन, मतदाता सूची पुनरीक्षण और संगठन सुदृढ़ीकरण पर सार्थक चर्चा की। एसआईआर को लेकर जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा की सबसे मजबूत संगठन वही है, जिसके बूथ मजबूत हों। एसआईआर अभियान सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारे विजय के संकल्प का आधार है। हर कार्यकर्ता बूथ का प्रहरी बनकर कार्य करे, मतदाता सूची की एक-एक जानकारी हमारी प्राथमिकता हो। भाजपा का विजय पथ बूथ से ही शुरू होता है और आप सब उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। निरीक्षण अभियान में कोसाबाड़ी मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जोशपूर्ण भागीदारी निभाई जिनमें मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर, वरिष्ठ नेत्री श्रीमती ज्योति वर्मा, जिला उपाध्यक्ष लक्की नंदा, जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता, सह मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र यादव, आईटी सेल जिला संयोजक अजय चंद्रा, बीएलए 1 अमीलाल चौहान, मंडल महामंत्री मिलाप बरेठ आदि सहित अन्य शामिल हुए।

जांजगीर में संगीतमय भागवत महापुराण एक दिसंबर से

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर के वार्ड नंबर-24 में भीमा तालाब के पास गुप्ता परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण का आयोजन एक दिसंबर 2025 से रखा गया है। कथा व्यास पीठ पर पंडित कामता प्रसाद विराजमान होंगे। वहीं पंडित सुजल दास वैष्णव उनके साथ रहकर प्रतिदिन कथा पाठ करेंगे। आयोजक भोज राम गुप्ता एवं श्रीमती राजेश्वरी गुप्ता ने बताया कि स्व. छोटेलाल गुप्ता एवं स्व. श्रीमती कौशल्या बाई गुप्ता की स्मृति में हमारे निवास स्थान वार्ड नंबर-24 भीमा तालाब के पास जांजगीर में संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण एक दिसंबर 2025 को कलश यात्रा एवं देवी पूजन के साथ प्रारंभ होगा। इसी क्रम में दो दिसंबर 2025 को सृष्टि उत्पत्ति एवं मधु कैटभ जन्म, तीन दिसंबर 2025 को व्यास जन्म व हैग्रीव जन्म, चार दिसंबर 2025 को सुदर्शन उपाख्यान एवं हरिश्चंद्र कथा, पांच दिसंबर 2025 को सती चरित्र एवं मां पार्वती जन्म, छह दिसंबर 2025 को शिव विवाह एवं ताड़कासुर वध, सात दिसंबर 2025 को गणेश जन्म एवं जलंधर चरित्र, आठ दिसंबर 2025 को मां काली, चामुंडा, शुंभ- निशुंभ वध, नौ दिसंबर 2025 को महिषासुर वध, रक्तबीज संहार, हवन, चढ़ोत्री व शोभायात्रा एवं 10 दिसंबर 2025 को गीता पाठ, चढ़ोत्री व ब्राह्मण भोज कार्यक्रम संपन्न होगा। आयोजन को सफल बनाने में प्रकाश गुप्ता, श्रीमती कविता गुप्ता, रवि गुप्ता, श्रीमती मधु गुप्ता, विजय केशरवानी, श्रीमती आरती केशरवानी, प्रतीक गुप्ता, प्रगति गुप्ता, आयुष गुप्ता, विमान गुप्ता, अंशु केशरवानी, वीरू केशरवानी सहित गुप्ता परिवार के अन्य सदस्य जुटे हुए हैं।

चांपा नगर में 30 नवंबर से 21 दिनों तक बहेगी वेद वेदांत की ज्ञान गंगा

हनुमान मंदिर में कृपालु महाराज के अद्वितीय समन्वयात्मक सिद्धांत दर्शन पर होगा प्रवचन

जांजगीर चांपा। कृपालुजी महाराज द्वारा अपने अद्वितीय समन्वयात्मक सिद्धांत का भारत सहित संपूर्ण विश्व में अपने प्रवचन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। उनके बाद अब यह दायित्व उनके शिष्यों द्वारा उठाया गया है। इसी कड़ी में वृंदावन प्रेम मंदिर से आ रहे जगतगुरु स्वामी कृ?पालु महाराज के प्रमुख प्रचारक डॉ. स्वामी युगल शरण द्वारा अद्वितीय आत्म सिद्धांत पर प्रवचन किया जाएगा। वृंदावन से राधा दीदी वह सन्यासी भाइयों की टीम पिछले 15 दिनों से नगर में आई हुई है। आयोजन के लिए परशुराम चौक हनुमान मंदिर परिसर का चयन किया गया है। जहां आयोजन की जोर-शोर से तैयारी चल रही है। यह भक्तिपूर्ण आयोजन 30 नवंबर से शुरू होगा, जो की 20 दिसंबर तक चलेगा। यह दो-दो घंटा का धारावाहिक प्रवचन संध्या होगा, जो कि प्रतिदिन शाम 6 से 8 तक चलेगा। आयोजन की तैयारी चल रही है, राम बड़ा तालाब के पीछे हनुमान मंदिर परिसर को इसके लिए तैयार किया जा रहा है। नगर पालिका द्वारा तेजी से टाइल्स लगाए जा रहे हैं। वही आयोजन समिति द्वारा टेंट, लाइट बैनर साउंड सिस्टम सहित आवश्यक साधन की व्यवस्था की जा रही है। आयोजन में जगतगुरु स्वामी कृपालु महाराज के प्रमुख प्रचारक डॉ. स्वामी युगल शरण द्वारा प्रवचन किया जाएगा। जो एक भू-वैज्ञानिक है। युगल शरण द्वारा भू-विज्ञान में उच्चतम डिग्री प्राप्त की गई है, वह 10 वर्ष तक भारत सरकार के अधीन एक वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। बचपन से साधु संतों के सानिध्य में रहे स्वामी योग शरण जब जगतगुरु महाराज की संपर्क में आए, तब उनका हृदय परिवर्तन हुआ। सारी सुविधाएं सम्मान को छोड़ महाराज के सानिध्य में आ गए। कृपालु महाराज के मार्गदर्शन में उपनिषद व धर्म शास्त्रों का अध्ययन किया।

शिव कुमार साहू बने नवागढ़ तहसील के साहू समाज के अध्यक्ष

जांजगीर चांपा। नवागढ़ तहसील साहू संघ के अध्यक्ष पद के लिए हुए बहुप्रतीक्षित चुनाव में शिव कुमार साहू तुस्मा वाले ने विजय प्राप्त करते हुए अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। कड़े मुकाबले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी जेपी साहू किरित वाले को 8 वोटों से पराजित किया।

चुनाव परिणाम घोषित होते ही समाज के लोगों ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष शिव कुमार साहू का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस चुनाव में कुल 42 ग्राम पंचायत आते है, जिसमें मतदाताओं की कुल संख्या 323 है। इनमें से कुल 288 मतदाता उपस्थित रहे जबकि 35 मतदाता अनुपस्थि रहे। जिसमें से शिव कुमार साहू को 143 वोट प्राप्त हुए तो वही जेपी साहू को 135 वोट मिले और 10 वोट रिजेक्ट हुए। मतगणना के दौरान दोनों उम्मीदवारों के समर्थकों में उत्सुकता और रोमांच चरम पर था, लेकिन अंतिम परिणाम ने शिव कुमार साहू को विजयी बनाकर समाज में एक नए नेतृत्व की शुरुआत का संकेत दिया। विजय उपरांत आयोजित अभिनंदन समारोह में समाज के वरिष्ठों, युवाओं और महिलाओं ने उपस्थित होकर नव-निर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। समाजजनों ने आशा जताई कि शिव कुमार साहू अपने नेतृत्व में साहू समाज को नई दिशा देंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। अपने उद्बोधन में शिव कुमार साहू ने कहा कि साहू समाज हमेशा से सेवा परोपकार और एकता की भावना से आगे बढ़ता आया उन्होंने कहा कि समाज तभी प्रगति करेगा जब उसके सभी सदस्य आपसी सहयोग और प्रेम की भावना से एक-दूसरे का साथ देंगे। उन्होंने युवाओं को संगठन से जुड़ने, समाज के लिए समय निकालने और नई पीढ़ी को सही दिशा व मार्गदर्शन देने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने भी शिव कुमार साहू के नेतृत्व की सराहना की है।

एक शिक्षक के भरोसे 90 छात्र छात्राओं की पढ़ाई लिखाई

सक्ती। संकुल केंद्र घोघरी के निकटतम शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवापारा में इन दिनों 90 छात्र छात्राओं की पढ़ाई लिखाई एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। शिक्षा विभाग द्वारा दूसरे शिक्षक की ड्यूटी एसआईआर के कार्यों में लगा दी गई है।

ज्ञात हो कि शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवापारा में इन दिनों 90 छात्र-छात्राएं की दर्ज संख्या होते हुए भी मात्र दो शिक्षक पदस्थ है और उनमें से एक शिक्षक का ड्यूटी इन दिनों निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण कार्य एस ई आर कार्य में लगा हुआ है साथ ही इस

विद्यालय का भवन की हालत जर्जर की स्थिति में भी है वहीं शिक्षक की कमी के वजह से प्राथमिक शाला व पूर्व माध्यमिक विद्यालय दो पाली में लगाया जा रहा है और इन्हीं शिक्षकों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने का कार्य किया जा रहा है इस प्रकार यहां के विद्यालय में अध्यनरत छात्र- छात्राओं की शिक्षा दीक्षा भगवान के भरोसे उच्च अधिकारियों द्वारा छोड़ दिया गया है एक और जहां शिक्षा विभाग द्वारा दर्ज संख्या 20 के अनुसार एक शिक्षक पदस्थ किया जाना है किंतु यहां 90 छात्र छात्राएं अध्यनरत रहते हुए भी मात्र दो शिक्षक का पदस्थापना किया जाना समस्या परे

है ताजुब की बात है कि विकासखंड मुख्यालय से 10 किलोमीटर की दूरी में स्थित विद्यालय का हालात इस प्रकार हो गया है तो दूर दराज में स्थित विद्यालय की व्यवस्था किस प्रकार से होगा। वही संबंध में यहां के सरपंच लक्ष्मी प्रसाद भारद्वाज ने बताया कि अनेकों बार भवन तथा शिक्षक की व्यवस्था हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया जा चुका है किंतु उनके द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

इस संबंध में सक्ती डीईओ श्रीमती कुमुदनी बाद्य द्विवेदी का कहना है कि मीडिल स्कूल नवापारा में शिक्षकों की कमी को लेकर व्यवस्था बनाई जाएगी।

कार को चपेट में लेकर पलटी बस, डेढ़ दर्जन घायल, 7 गंभीर

जांजगीर चांपा। शिवरीनारायण-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर मुलमुला के पास यात्री बस कार से जा टकराई। इस घटना में कार पूरी तरह से चकनाचूकर एकनाचूकर हो हो गया तो वहीं बस सड़क किनारे जा पलटी। हादसे में 18 लोग घायल हो गए। जिनमें से 7 की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। उन्हें उपचार के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारीर के अनुसार शिवरीनारायण से बिलासपुर की ओर चलने वाली कुरैशी बस सर्विस कंपनी की बस क्रमांक सीजी 10 जी 0406 शुक्रवार 28 नवंबर की अपने निर्धारित समय पर शिवरीनारायण से बिलासपुर जाने के लिए निकली थी। शाम करीब 4.30 बजे बस मुलमुला के फूलसागर तालाब के पास पहुंची थी कि विपरीत दिशा से आ रहे कार क्रमांक सीजी 07 बीपी 3346 से टकरा गई। दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। घटना के बाद मौके पर बीख पुकार मच गई। राहगीरों के नाथ आसपास लोगों की भीड़ जमा गई।

डीपीएस चांपा में यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम का किया गया आयोजन

चांपा। भारत का महान संविधान केवल एक पुस्तक नहीं है, यह हम सभी के अधिकारों, कश्रव्यों और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाली शक्ति है। जैसे ही ये वक्तव्य जिला एवं सत्र न्यायालय जांजगीर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत ने कहा समस्त सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। अवसर था संविधान दिवस का और दिल्ली पब्लिक स्कूल के कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों द्वारा भारत के संविधान के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त करने के लिए छात्र संसद का आयोजन किया गया। 26 नवंबर को सुबह 9ः30 बजे मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत, विशिष्ट अतिथि प्रवीण मिश्रा, सीजेएम, सचिव जिला विधिक सेवा जिला पंचायत ऑडिटोरियम मनोज कुमार कुशवाहा पहुंचे, जहां उनका तिलक लगाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर भारतीय संविधान के प्रणेता डॉ. अंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष केशर कश्यप ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

रवि पांडेय के प्रयास से होगा बच्चों का इलाज

जांजगीर-चांपा। भाजपा नेता इंजीनियर रवि पाण्डेय के प्रयासों से शारदा विहार कोरबा निवासी 4 वर्षीय बालक जसवित माथुर के बोन मेरू ट्रांसप्लांट के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजनांतर्गत 15 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। अब जल्द ही बालक जसवित माथुर का सर्जरी एसआरसीसी चिल्ड्रेन्स हास्पिटल मुंबई महाराष्ट्र मे होगा और वह भी अन्य बच्चों की तरह जीवन यापन कर सकेगा। ज्ञात हो कि जसवित माथुर पिता जीतू माथुर उम्र 4 वर्ष शारदा विहार कोरबा मे निवास करता है चिकित्सकीय जांच के बाद पता चला की इसका एकमात्र उपाय बोन मेरो ट्रांस प्लांट है। जसवित के बड़े पिताजी विक्की माथुर नैला निवासी गोपाल गोयल के साथ इंजी रवि पाण्डेय से मुलाकात कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया। और बच्चे के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से इलाज मे होने वाली समस्या की जानकारी दी। इंजीनियर पाण्डेय ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत राशि प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से निवेदन किया और साथ ही पीड़ित बच्चे के अभिभावक को संबंधित हॉस्पिटल से सर्जरी का स्टीमेट लाने को कहा। विधिवत प्रक्रिया पूर्ण करवाने मे इंजी. पाण्डेय ने माथुर परिवार की मदद किया।

अंततः बोन मेरू ट्रांसप्लांट सर्जरी हेतु 15 लाख की राशि की स्वीकृति प्राप्त हुई। पीड़ित बच्चे के बड़े पिताजी इंजी. रवि पाण्डेय का आभार व्यक्त करने उनके जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। इंजीनियर पाण्डेय ने विक्की माथुर को कहा कि यह कार्य मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की संवेदन शीलता और बालक के भाग्य से ही संभव हुआ है। ज्ञात हो कि इंजी. पाण्डेय पूर्व मे भी कई पीड़ित लोगों के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ दिला चुके है।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक की मौत

तनौद। शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के तनौद लाईफ केयर पब्लिक स्कूल के पास देर शाम एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने एक बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, देर शाम ग्राम पंचायत तनौद निवासी लच्छी राम यादव पिता गंगा राम उम्र 35 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल से देवरी रोड होते हुए अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। चश्मदीदों के अनुसार, वाहन के पहिए से युवक के सिर पर गमीर चोट लगी, जिससे मारी मात्रा में खून बहने लगा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घंटों इंतजार के बाद मिली मददघटना के तुरंत बाद राहगीरों ने डायल 112 को सूचना देने की कोशिश की, लेकिन कथित तौर पर उन्होंने व्यस्त होने का हवाला दिया। ग्राम पंचायत तन्नौद को सरपंच रंजनी महावीर साहू ने बताया कि सरकारी एंबुलेंस के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। अंतत एक निजी एंबुलेस की मदद से घायल युवक को उपचार के लिए पामगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी हादसे का कारण सड़क पर डप रेतराहगीरों ने चताया कि दुर्घटनास्थल पर घर निर्माण कार्य के लिए भारी मात्रा में रेत उप थी। मृतक लब्धी राम यादव एक गरीब मजदूर थे और अपने परिवार के एकमात्र सहारा थे।

स्व. रामेश्वर लाल सिंघानिया के जीवन काल का सफरनामा

जांजगीर नैला। स्व. रामेश्वर लाल सिंघानिया कोई परिचय का मोहताज नहीं है बल्कि उन्होंने अपने कार्यों से क्षेत्र में एक नेता जी के रूप में अपना नाम स्थापित करने में सफल रहे हैं।

स्व. रामेवर लाल सिंघानिया (नेता जी) का जन्म 1 जनवरी 1928 को राजस्थान के सिंघाना गांव में हुआ वे अपने 14 वर्ष के उम्र में जांजगीर नैला में अपने बड़े भाई गंगादीन सिंघानिया के साथ आये। जिन्होंने अपने सूझबूझ से न केवल बड़े परिवारों का पालन पोषन किये बल्कि धन, सम्पति का भी एक बड़ा हिस्सा कमाकर इकट्ठा किए। स्व0 रामेश्वर लाल सिंघानिया शुरू से ही संघर्षशील, मेहनती, एवं जुबान के पक्के व्यक्ति रहें है जिन्होंने अपने जीवनकाल में समाजसेवा एवं राजनीति के क्षेत्र में कार्य कर खूब नाम कमाये है। स्वर्गीय रामेश्वरलाल सिघानिया का निधन 19 नवंबर 2025 को जांजगीर शहर में हुआ वह 98 वर्ष की लंबी आयु को कुशलता पूर्वक जीने में सफल रहे हैं

स्व. सिंघानिया का जीवन प्रारंभ से ही लोगों के लिए प्रेरणादाई रहा है। उन्होंने महात्मागांधी जी के कलकत्ता यात्रा के दौरान भी अपने राजनैतिक लगाव एवं देशभक्ति के कारण नैला रेल्वे स्टेशन में उनका स्वागत कर उनसे भेंट किए। वे अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदियों को भी लोहा मनवाने में पीछे नही रहे है। स्व. रामेश्वर

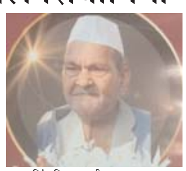

लाल सिंघानिया पहली बार सायकल छाप से चुनाव लड़कर अपने सभी प्रतिद्वंदियों को परास्त किये थे। 23 जनवरी 1973 को उनके नेतृत्व में नेताजी चौक में सुभाषचंद्र बोस जी की प्रतिमा स्थापित की गई। इन्हीं देशभक्ति एवं स्वर्गीय सुभाष चंद्र बोस जी के प्रति प्रेम से पूरे क्षेत्र में उनका भी नाम नेताजी हो गया। तव से लोग आज तक क्षेत्र में उन्हें नेताजी के नाम से सम्बोधित किया करते हैं।

स्व. रामेश्वरलाल सिंघानिया अपने पूरे जीवन काल कांग्रेस पार्टी के प्रति समर्पित रहे हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री स्व.इंदिरा गांधी जी के जेल भरो आंदोलन

में अहम भूमिका निभाते हुए जेल की यात्रा भी उन्होंने की थी। वे क्षेत्रीय समस्या को लेकर हमेशा से सजग रहे हैं तथा उन्हें पूरा कराने में अनेकों बार आंदोलन कर क्षेत्र में एक बड़ा नाम कमाए। स्व. श्री सिंघानिया ने बिलासपुर रेलवे जोन तथा जांजगीर चांपा को जिला बनाने को लेकर किए गए आंदोलन में भी सजग रहे हैं तथा वह इसके लिए भी उन्होंने जेल की हवा के साथ लाठी भी खाए। स्व. रामेश्वरलाल सिंघानिया क्षेत्र में अजातशत्रु थे। वे अपने जीवन काल में पूर्व मंत्री बिसाहूदास महंत एवं स्व0 बेदराम अगले जी के काफी करीबी रहें हैं। उनकी भूमिका पृथक छत्तीसगढ़ राज्य बनाने को लेकर भी अहम रही है। उनकी राजनीतिक जीवटता एवं सक्रियता ने अनेक नेताओं को प्रभावित किया है जिसके कारण अनेक मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री उनके घर पधार कर उनके पीठ थपथपाते रहे हैं।

मध्यप्रदेश के समय में मुख्यमंत्री प्रकाशचंद्र सेठी,पंडित श्यामाचरण शुक्ला, अर्जुन सिंह, मोतीलाल बोरा, दिग्विजय सिंह एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला जैसे नेताओं का आगमन उनके यहां होते रहा है। स्वर्गीय रामेश्वर लाल सिंघानिया का जीवन केवल जनता के प्रति समर्पित रहा है बल्कि उनका कार्य हमेशा से पारदर्शी रहा है।

वे ईफको (दिल्ली) के सदस्य एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर के कई बार सदस्य चुने गए। स्वर्गीय सिंघानिया युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वे तीन भाइयों में मंझले थे ।गंगादीन, रामेश्वरलाल, नंद?किशोर तीन, भाइयों एवं 6 बहनों वाले बड़े परिवार के सदस्य रहे हैं। स्वर्गीय रामेश्वरलाल सिंघानिया के आठ पुत्र एवं एक पुत्री रही है जिनके कायामाया आज भी लोगों के बीच विद्यमान है। उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठानों ने अपने क्षेत्र में खूब उपलब्धियां बटोर रहे हैं। जिसका श्रेय उन्हें पूरी तरह से जाता है।

सडक निर्माण की मांग को लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे ग्रामीण

लोहर्सी। 10 ग्राम पंचायत देवरी से ससहा तक की सड़क अत्यंत जर्जर हो चुकी है। जिसके कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। इस समस्या को लेकर ग्रामीण कलेक्टोरेट पहुंचे। इस बीच दिसंबर तक सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं कराए जाने पर चक्काजाम की चेतावनी दी गई है। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत देवरी से ग्राम पंचायत ससहा तक का सड़क की स्थिति बहुत ही जर्जर स्थिति में है। जिसके कारण लोगों को आने जाने में काफी परेशानी होती है। ऐसे में ग्रामीणों ने इस समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया गया। सड़क की स्थिति खराब होने के कारण पामगढ़ ब्लाक के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। साथ ही सडक की स्थिति खराब होने के कारण मार्ग पर दिन भर धूल उडते रहता है। पूर्व में भी ग्रामीणों के द्वारा सड़क की स्थिति को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। बावजूद इसके समस्या बनी हुई है।

पीएससी में शिवांगी को मिली 117 वीं रैंक, आबकारी निरीक्षक के पद पर चयन

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा में गणेश तिवारी और किरण तिवारी की पुत्री शिवांगी तिवारी ने 117 वां रैंक प्राप्त किया है। उनका चयन आबकारी निरीक्षक के पद पर हुआ है।

शिवांगी तिवारी प्रारंभ से ही मेधावी रही है। उनके पिता गणेश तिवारी मूलत नवागढ़ ब्लाक के मुड़पार अमोरा के रहने वाले हैं और रिटायर्ड फौजी हैं। वर्तमान में वे रायगढ़ के वार्ड नंबर 14

राम मंदिर गली में रहते हैं। शिवांगी ने बताया कि उसे यह सफलता तीसरी बार में मिली है। उसकी इच्छा यूपीएससी पास करके आईएएस बनने की है। पहले वह बिलासपुर में रहकर कोचिंग के माध्यम से तैयारी कर रही थी। इसके बाद वह अपने घर आ गई और घर में ही सात से आठ घंटे पढ़कर तैयारी कर रही थी। उसकी इस उपलब्धि पर परिवार के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अमर ने कबड्डी खिलाड़ी संजू से मुलाक़ात कर दी बधाई कहा : युवा प्रतिभाएं प्रदेश का गौरव बढ़ा रही हैं

जांजगीर-चाम्पा। भारतीय टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी रावत के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए जिला कबड्डी संघ के पदाधिकारी, भाजपा नेता, जनसेवक तथा मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने उनसे सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। उन्होंने संजू देवी को विश्व कप में मिले सम्मान और भारत की जीत में दिए गए अमूल्य योगदान के लिए बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न कबड्डी विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने कुल 35 पॉइंट अर्जित किए, जिनमें से 16 पॉइंट अकेले संजू देवी ने हासिल किए। उनके बेहतर प्रदर्शन ने न केवल टीम को जीत दिलाई बल्कि भारत को अंतरराष्ट्रीय पटल पर मजबूत स्थान दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। रायपुर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संजू देवी ने अपनी यात्रा, संघर्ष और

सफलता के अनुभव साझा किए।

इसी क्रम में अमर सुल्तानिया ने कहा कि संजू जैसी युवा खिलाड़ी पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा हैं। कठिन परिस्थितियों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को सिद्ध करना अत्यंत प्रशंसनीय उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि संजू का शांत स्वभाव, निरंतर अभ्यास और मानसिक मजबूती ही उन्हें इस मुकाम तक ले आई है। सुल्तानिया ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां हर क्षेत्र में असाधारण प्रतिभा दिखा रही हैं। संजू देवी की सफलता आने वाली पीढ़ियों को खेल के प्रति प्रेरित करेगी।

बता दें कि संजू देवी कोरबा जिले के छोटे से गांव केराकछार से निकलकर आज भारत की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मुलाकात के दौरान अमर सुल्तानिया ने जिला कबड्डी संघ के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों की ओर से संजू देवी को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में वे विश्व स्तर पर भारत का परचम और ऊंचा उठाएँगी।

चोरी के 4 आरोपी अरेस्टःताला तोड़कर घर में घुसे, 3 लाख कैश बरामद,

जांजगीर-चांपा। पुलिस ने चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से 3 लाख रुपए कैश और सोने-चांदी के 28 सिक्के बरामद किए हैं। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल 2 बाइक और ऑटो भी जब्त किया गया है। मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है। एएसपी उमेश कश्यप ने बताया कि 23 नवंबर को अर्चित अग्रवाल ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया गया था कि परिवार खरसिया शादी समारोह में शामिल होने गया था। जब वे लौटे तो घर का ताला टूटा पाया। अलमारी से 6 लाख कैश और 5 लाख के सोने-चांदी के जेवर गायब थे। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर हार्ड डिस्क भी गायब था। पुलिस टीम ने साइबर तकनीकों और फिंगरप्रिंट की मदद से जांच शुरू की।

मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा द्वारा निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर 30 नवंबर से

स्व. रामेश्वर लाल सिंघानिया 'नेताजी' की स्मृति में होगा आयोजन

जांजगीर। मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा जांजगीर-नैला द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्वर्गीय रामेश्वर लाल सिंघानिया 'नेताजी' की स्मृति में निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 30 नवंबर, 1 और 2 दिसंबर 2025 को सतसंग भवन, वी.आई.पी. सिटी के सामने आयोजित होगा। आयोजन में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति का सहयोग प्राप्त है।

शिविर का उद्देश्य उन जरूरतमंद व्यक्तियों को सहारा प्रदान करना है, जिनके हाथ या पैर किसी दुर्घटना, बीमारी या जन्मजात कारणों से क्षतिग्रस्त हुए हैं। आयोजन समिति के अनुसार, शिविर में लाभार्थियों के माप के अनुरूप उत्तम गुणवत्ता वाले कृत्रिम हाथ, पैर, कैलिपर्स, बैसाखी तथा कान की मशीनें पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराई जाएँगी। विशेषज्ञ तकनीशियन प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति के अनुसार परीक्षण कर उचित उपकरण प्रदान करेंगे।

पंजीयन 29 नवंबर तक रखा गया है। इसके लिए लाभार्थियों को आधार कार्ड की प्रति, पासपोर्ट साइज फोटो और आवश्यकता अनुसार विकलांगता प्रमाण पत्र साथ लाने की सलाह दी गई है। शिविर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होगा। मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने बताया कि मंच नियमित रूप से जन सेवा के कार्य वृहद स्तर पर पूरे देश में संचालित करता है। इसी कड़ी में यह आयोजन भी जांजगीर-नैला नगर में किया जा रहा है। समिति ने क्षेत्र के जरूरतमंद नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ लेने की अपील की है साथ अन्य जरूरतमंदों को सूचित करने का निवेदन भी आम जनता से की है। शिविर का लाभ उठाने के लिए जरूरतमंद मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया, विक्रांत अग्रवाल, दीपक सिंघानिया, अखिल बंसल, आकाश सिंघानिया, नवदीप अग्रवाल, निकुंज भोपालपुरीया, अनुभव अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, बबीता गर्ग, शिखा अग्रवाल, कल्याणी भोपालपुरिया से संपर्क कर सकते हैं।

अनमोल वचन......

अपनी समस्याओं से प्रेरित न हों, अपने सपनों के नेतृत्व में आगे बढ़ें।

संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी है कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया है।

विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले को पलट दिया है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने व्यवस्था दे दी कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया। यानी गुजरे अप्रैल में तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में खुद उसने जो निर्णय दिया, उसके बारे में अब उसकी राय है कि उसने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर व्यवस्था दी! तब सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए कहा था कि विधानसभाओं से दोबारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों को 90 दिन के अंदर सहमति देनी होगी। ऐसा ना होने पर समझा जाएगा कि संबंधित विधेयक को मंजूरी मिल गई है। राज्यपालों के जरिए राज्यों के अधिकार क्षेत्र में केंद्र के दखल की शिकायतें गुजरे वर्षों में बढ़ती चली गई हैं। विधानसभाओं से पारित ऐसे विधेयक, जिनसे केंद्र सहमत ना हो, उन्हें कानून ना बनने देने के लिए राज्यपालों ने उन पर दस्तखत ना करने का तरीका अपनाया है। अतः इससे परेशान गैर-एनडीए राज्य सरकारों के लिए सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल के फैसले को बड़ी राहत माना गया। समझा गया था कि उस फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने फेडरिज्म की रक्षा की है, जो संविधान के बुनियादी ढांचे का प्रमुख पहलू है। मगर उससे केंद्र नाराज हुआ। उसने सीधे पुनर्विचार याचिका दायर करने के बजाय राष्ट्रपति के रेफरेंस से मामले को दोबारा कोर्ट के पास भेजा। इस दौरान केंद्र ने यह विवादित दलील भी दी कि केंद्र का प्रतिनिधि होने के नाते राज्यपालों की अपनी जन-वैधता है, जिससे वे निर्वाचित राज्य सरकारों के निर्णय को रोक सकते हैं। यानी निर्वाचित सरकारों की वैधता पर राज्यपालों को तरजीह मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय को ऐसी विवादास्पद मान्यता पर मुहर माना जाएगा। इससे फेडरिज्म को लेकर आशंकाएं फिर खड़ी होंगी। धारणा बनेगी कि सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या केंद्र की सोच के अनुरूप की है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपको सोने-चाँदी के बिजनेस में बड़ा धन लाभ होगा। आज आप प्रोफेशनल कार्यो के साथ-साथ अपने निजी कार्यों को भी पूरा करेंगे। आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति और विचार सराहनीय रहेंगे। आज जीवनसाथी के साथ आपका ताल-मेल बना रहेगा, आपके घर में किसी कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

वृषभ राशिः वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आपको व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा , जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप किसी मुद्दे के ऊपर जीवनसाथी से सलाह-मशविरा कर सकते हैं। आज किसी प्रोजेक्ट को लेकर ऑफिशियल यात्रा संभव है, आप सारी तैयारी अच्छे से कर लें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। आज आप किसी नए काम की शुरुआत करेंगे, जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं , जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आप घर - परिवार संबंधी समस्याओं को सुलझाने में सफल रहेंगे और आपको कहीं से अटके हुए धन की प्राप्ति होगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप व्यापार को और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे, जिसके लिए आप ऑफिस में मीटिंग कर सकते हैं। आज आप अपने खान-पान को लेकर डाइट प्लान तैयार कर सकते हैं। आज आपको स्वयं की सूझबूझ से लिए गए निर्णय के उचित परिणाम हासिल होंगे। इस राशि के विद्यार्थियों को आज इंटरव्यू या करियर से संबंधित क्षेत्र में सफलता मिलने की पूरी संभावना है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी, आप किसी बड़ी डील को फ़ाइनल कर सकते हैं। आज ऑफिस में आपके काम को लेकर तारीफ होगी और बॉस आपके प्रमोशन की बात कर सकते हैं। आज आपके घर का वातावरण मधुर और खुशनुमा बना रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप रुके हुए कार्यों को पूरा करेंगे, जिससे आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। आज आप किसी भी निर्णय को लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें, जिससे बाद में कोई पछतावा न हो।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। इस राशि के जो व्यक्ति विदेश जाने का मन बना रहे थे , आज आपको किसी से मदद मिलेगी। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से आपको प्रसन्नता मिलेगी।

वृश्चिक राशिः आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद से अपने कार्यों को पूरा करने में समर्थ रहेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज ऑफिस में बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप पार्टनरशिप में किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में आप अच्छा लाभ कमायेंगें। इस राशि के सामाजिक कार्यों में कार्यरत व्यक्ति सामाजिक हित के लिए किसी विशेष मुद्दे को उठा सकते हैं। आज आपका ट्रांसफर मनचाही जगह पर हो जायेगा , जिससे आपको खुशी मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज आप व्यापारिक लेन-देंन में सारी चीजें अच्छे से चेक करें और कर्मचारियों के साथ अच्छे से व्यवहार करें। आज आपको पैतृक सम्पत्ति का लाभ मिलेगा, जिससे आपके बहुत से अटके काम पूरे होंगे। आज आप दाम्पत्य जीवन की समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करेंगे, जिसमें जीवनसाथी का साथ मिलेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपने सपनों को पूरा करने में काफी हद तक सफल रहेंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में नयी जिम्मेदारियां आएंगी , जिसे आप बखूबी निभायेंगे। आज आपको किसी व्यक्ति की मदद करने का मौका मिलेगा , जिसे आप नजरंदाज न करें। आज आप भाई-बहनों के साथ मार्केट शॉपिंग करने जा सकते हैं और आप उन्हें कुछ गिफ्ट भी दिलायेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज आपके जमीन जायदाद से जुड़े कार्य प्रगति की ओर बढ़ेंगे। आज आप किसी मामले में घर के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह ले सकते हैं, जिससे वो आसानी से सुलझ जायेगा ।

अमेरिका दुनिया में अछूत बनने की और?

//श्रुति व्यास//

कौन सोच सकता था कि नियम-आधारित व्यवस्था का अपने को संरक्षक बताने वाला अमेरिका एक दिन दुनिया में अछूत बनने की और होगा। जिसने उदार वैश्विक व्यवस्था बनवाई, नेटो को गूंथा, संयुक्त राष्ट्र का चार्टर लिखा, और दशकों तक दूसरों को वैश्विक ज़िम्मेदारी पर उपदेश दिया, वही उस वास्तुशिल्प से अब मुंह चुरा रहा है, पीछे हट रहा है! आइजनहावर से लेकर रीगन जैसे सख्त रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों के दौर में भी अमेरिका की वैश्विक भूमिका स्थिर रहीष मतबल दुनिया का चौकीदार, अपरिहार्य शक्ति, गठबंधनों का संरक्षक, लोकतंत्र-बाज़ार-आधुनिकता का अगुआ। अमेरिकी शक्ति अंतरराष्ट्रीय जीवन का लंगर थी—अहंकार, उपदेशों और हस्तक्षेपों तथा नेतृत्व के दावे के साथ। वह खुद को वैश्विक लोकतंत्र का माई-बाप मानता था। दुनिया ने भी उस मिथक को खरीदा। दुनिया भर के छात्र उसके विश्वविद्यालयों की ओर भागे, वैज्ञानिक उसकी प्रयोगशालाओं की तथा असंतुष्ट उसकी आज़ादियों की ओर लपके।

सचमुच अमेरिकी ड्रीम घरेलू आकांक्षा से कहीं बड़ा, एक सीमाहीन विचार था। और यह लगातार सिलिकॉन वैली, हॉलीवुड, वॉल स्ट्रीट और उसकी अर्थव्यवस्था के गुरुत्वाकर्षण से पुष्ट होता गया।

लेकिन वह मिथक उसी दिन से दरकना शुरू हुआ जब डोनाल्ड ट्रम्प व्हाइट हाउस में दाखिल हुए। अमेरिका का चुबंक, चमक फीकी हुई और उसकी परतें उखड़ी। जो राष्ट्र प्रवासियों की विविधता से ही बना था, उसने अचानक दीवारों, वापसी और आहत गर्व की नई भाषा बोलनी शुरू कर दी। नतीजतन अमेरिका सिमटने लगा। और आधुनिक इतिहास में पहली बार, अकेले पड़े अमेरिका की कल्पना–गठबंधनों से पीछे हटते, बहुपक्षवाद को छोड़ते, अपनी शिकायतें पालते–एक सैद्धांतिक खतरे से चलकर वास्तविकता बन गई।

पीयू रिसर्च के हालिया सर्वे ने इस बदलाव को बेरहमी से दर्ज किया है। जून की रिपोर्ट बताती है कि प्रमुख लोकतंत्रों में अमेरिकी राष्टपति पर भरोसा ऐतिहासिक स्तर पर गिरा है। अमेरिका के प्रति अनुकूली दृष्टि भी तेज़ी से घटी है। 24 में से 19 देशों में आधे से अधिक लोगों ने कहा कि उन्हें विश्व मामलों में ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा नहीं। पश्चिमी व्यवस्था की जो आधारशिला दशकों तक अमेरिका की विश्वसनीयता रही, वह इसलिए नहीं टूटी कि प्रतिद्वंद्वी उसे कमजोर कर रहे थे–बल्कि इसलिए कि वॉशिंगटन ने स्वयं अपनी भूमिका छोड़ने और बिगाड़ने का निर्णय लिया।

अगर हम इतिहास को देखने दें, तो वह एक दर्पण पेश करता है। व्लादिमीर पुतिन के रूस को एक सुबह अचानक मवाली नहीं कहा गया। उसका अलगाव चरणों में आया। वैश्विक मंशाओं पर उसका अविश्वास, बहुपक्षीय मंचों से चयनात्मक दूरी, संस्थानों के प्रति तिरस्कार ने कभी उसे वैधता दी थी। अंततः यह भ्रम भी बना कि दुनिया को रूस की उतनी ही ज़रूरत है जितनी रूस को दुनिया की। भागीदारी से अधिकार तक की यह मनोवैज्ञानिक छलांग मॉस्को की गिरावट का शुरुआती बिंदु थी।

और वैसे ही शुरुआती संकेत अब वॉशिंगटन में विचलित कर देने वाली समानता से उभरते दिखते हैं। ट्रंप प्रशासन की वैश्विक संस्थाओं के प्रति अवमानना, कूटनीति का लेन-देन में सिमटना, सहयोगियों को संपत्ति के बजाय बोझ समझना, और राष्टीय महानता को साझे प्रयास की जगह अकेली परेड के रूप में देखना-दिखाना। रूस ने दुनिया का धैर्य तब तक परखा जब तक वह खत्म न हो गया। आज वह बाज़ारों से कटा है, विश्वसनीयता से वंचित है, और उसकी महत्वाकांक्षा का पैमाना कुछ तनावपूर्ण दोस्तों पर निर्भर एक कमजोर साझेदारी में सिमट गया है। रूस प्रतिबंधित है, घिरा हुआ और रणनीतिक चौड़ाई से खोखला है। यह रणनीतिक अकेलेपन की चेतावनी है।

यों रूस से अमेरिका की तुलना पूरी तरह समान नहीं है। अमेरिका रूस नहीं है। मगर देश विशेष के अलगाव का गुरुत्व हर जगह एक ही तरह असर करता है। जब कोई राष्ट्र मान लेता है कि उसे दुनिया की ज़रूरत नहीं, तो जल्द ही दुनिया भी मान लेती है कि उसे उस राष्ट्र की ज़रूरत नहीं। अलगाव अकड़ से शुरू होता है और अकेलेपन के सन्नाटे पर खत्म।

अमेरिका का अलग-थलग पड़ना व सन्नाटा अब साफ़ सुनाई देने लगा है। कुछ अधिक ही सख्त और भारी मगर सोचा-समझा।

बेलें में हुए हालिया कॉप-30 महाअधिवेशन देशों पर नज़र डालिए। 190 देशों के जमावड़े में अमेरिका के प्रति हिकारत थी। जबकि जलवायु कूटनीति हमेशा अमेरिका का नैतिक वैधता जताने का मंच रही है–चाहे वह इसे पूरी तरह निभा न पाया हो। लेकिन ट्रंप ने जलवायु संकट को मज़ाक बना दिया, इसे दुनिया पर थोपा गया सबसे बड़ा छल कहा। इसलिए जब व्हाइट हाउस ने औपचारिक रूप से घोषणा की कि अमेरिका कॉप-30 में कोई उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजेगा, तो यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के राजनयिकों ने एक विचित्र प्रतिक्रिया दी- राहत। मतलब एक खाली अमेरिकी कुर्सी, एक अमेरिकी विध्वंसक से बेहतर थी। आधिकारिक बयान यह था कि राष्ट्रपति राष्ट्रहित को अनिश्चित, हानिकारक जलवायु महत्वाकांक्षाओं के लिए खतरे में नहीं डालेंगे। लेकिन शोर के नीचे संदेश बिल्कुल साफ़ था–देशभक्ति के नाम पर अलगाववाद, दृढ़ता के नाम पर वापसी, और उस वैश्विक व्यवस्था से इंकार जिसे अमेरिका ने कभी जन्म दिया था। ऐसे ही जोहान्सबर्ग में भी अमेरिका की अनुपस्थिति समझी गई। जी-20 बैठक में अमेरिका का न होना किसी साधारण कूटनीतिक संकेत से कहीं अधिक था। एक दरार का अनुभव था। जो देश कभी वैश्विक मंचों की कोरियोग्राफी करता था, वह उसी मंच से अनुपस्थित दिखा। और जब वॉशिंगटन ने समापन समारोह में–अगले मेजबान फ्लोरिडा को प्रतीकात्मक हस्तांतरण के लिए–सिर्फ एक जूनियर दूत भेजने की कोशिश की, तो दृश्य लगभग अनुनय-सा लगा, मानो महान-शक्ति की जिम्मेदारी किसी छोटे काम की तरह सौंप दी जा सके। दुनिया ने एक स्थिर लंगर को बहते हुए देखा–उसकी रस्सी ढीली पड़ती हुई।

अमेरिका का यह अकेलापन या अलगाव छिपा नहीं रही। आखिर ट्रंप ने ही नेटो को पुराना बताया था, सहयोगियों को सबके सामने डांटा, और अपना स्नेह लगभग उन्हीं सत्तावादियों के लिए बचाकर रखा जो उसे आर्थिक सौदे या चापलूसी का वादा करते थे। कनाडा, यूरोप और जापान पर व्यापार युद्धों ने रिश्ते थकाए ही नहीं–उन्होंने अपेक्षाओं को बदल दिया। सहयोगियों ने चुपचाप बैक-अप योजनाएँ बनानी शुरू कीं–साझेदारियों में विविधीकरण, रणनीतिक दांव-पेंच–त्याग की तैयारी का कूटनीतिक, नम्र तरीका।

फिर आया कल्पनाशील भू-राजनीतिक रंगमंच–ग्रीनलैंड खरीदने की चाहत, कनाडा को 51वाँ राज्य बनाना, पनामा नहर वापस लेने की बातें। मेक्सिको या वेनेज़ुएला के हिस्सों में हस्तक्षेप पर विचार। जो बातें पहले हँसी में उड़ जातीं थी, उन्हें अचानक नीति की तरह बोला गया। जाहिर किसी संवैधानिक गणराज्य (अमेरिका) की भाषा कूटनीतिज्ञों को पुतिन-शैली की भू-राजनीतिक कल्पना जैसी लगी। यह जानने का शायद ही कोई मतलब था कि यह उकसाहट थी या सच्चा इरादा–असर एक-सा था। अमेरिका की इमेज अब नियम-निर्माता से एक अविश्वसनीय शक्ति-दलाल में बदल गई है।

ट्रंप अब पुतिन के विश्वदृष्टिकोण को सिर्फ दोहराते नहीं, बल्कि उसे पुनरुत्पादित कर रहे है। शिकायत-केंद्रित राजनीति, संस्थाओं पर अविश्वास, सीमाओं को उकसाने का लालच, प्रदर्शनकारी मर्दानगी–मानो वॉशिंगटन और मॉस्को अब वैचारिक विरोधी नहीं रहे, बल्कि एक जैसी मनोवैज्ञानिक भाषा साझा करने लगे हों। क्रेमलिन की जो प्रवृत्ति दशकों से रूस को चलाती रही, उसकी झलक व्हाइट हाउस में दिखने लगी। अमेरिकी विशिष्टता में लिपटी, लेकिन बिल्कुल पहचानी जाने वाली। ट्रंप जितना पुतिन की सोच और ताकत की प्रशंसा करते गए, उससे उनकी अपनी राजनीति उसी सत्तावादी प्लेबुक की छाया में आ गई, जिसे अमेरिका कभी रोकने का दावा करता था। दुख यह नहीं कि ट्रंप पुतिन की प्रशंसा करते हैं–दुख यह है कि वे उसकी तरह शासन करने लगे, सुपरपावर आत्मविश्वास और निरंकुश कल्पना की रेखा धुंधली करते हुए। और हर ऐसे मोड़ के साथ, अमेरिका उस दुनिया से दूर हो रहा है जिसे उसने आकार दिया था। और वह उस अकेलेपन के करीब जा रहा है जिसमें मॉस्को वर्षों से जीता आया है। दो राष्ट्र जो कभी अपनी-अपनी सदियों के स्वामी थे, आज विचलित कर देने वाली समान राहों पर खड़े दिखते हैं। उनकी शुरुआतें जितनी भिन्न, उनका गिरना उतना ही मिलता-जुलता–महाशक्तियाँ अपने भीतर सिमटती हुई, सहयोगियों से संदेह, संस्थाओं से अवमानना, और उस सहकारी ताने-बाने का टूटना जो कभी वैश्विक अव्यवस्था को बाँधे रखता था।सो शीत युद्ध के बाद पहली बार, दुनिया चुपचाप एक ऐसे भविष्य की तैयारी कर रही है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका केंद्र में नहीं होगा। और जैसे ही वॉशिंगटन डगमगाता है, बीजिंग आगे आता है–किसी व्यवस्था के संरक्षक की तरह नहीं, बल्कि एक नई, असममित व्यवस्था के वास्तुकार की तरह।

उसका उदय शोरगुल वाला नहीं–धीमा, पद्धतिगत, अवसंरचनात्मक व्यापार गलियारे, खनिज मार्ग, डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र, ग्लोबल साउथ की धैर्यपूर्ण कूटनीति से है। इसी बीच रोम से नई दिल्ली तक लोकलुभावन नेता राजनीति को शिकायत और आत्म-संयम पर नया रूप दे रहे हैं–जबकि वैश्विक संकट ठीक उलटा मांग रहे हैं। इस माहौल में बहुपक्षवाद सिर्फ कमजोर नहीं–बिखर रहा है। 1945 के बाद बनी संस्थाएँ 2025 की उस दुनिया को संभाल नहीं पा रहीं जहाँ हर बड़ी शक्ति अपने ही कोने, अपनी ही सच्चाई, अपनी ही सुरक्षा के लिए लड़ रही है। यही इस क्षण की सबसे काली सच्चाई है- जब नियम-आधारित व्यवस्था का संरक्षक मंच छोड़ देता है, दुनिया ज्यादा मुक्त नहीं होती–वह और अकेली, और महीन, और कहीं अधिक शिकारी होने की दिशा में है।

एसआईआर कर्मचारी पर डेडलाइन का दबाव

//अजीत द्विवेदी//

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक जरूरी कदम है। मतदाता सूची की शुद्धता बहाल करने के लिए पूरे देश में निश्चित रूप से एसआईआर होना चाहिए। बिहार में इसका लाभ दिखा है। करीब 70 लाख नाम मतदाता सूची से कटे और कुछ राजनीतिक आपत्तियों को छोड़ दें तो कहीं से वास्तविक मतदाताओं की ओर से इसका विरोध नहीं हुआ। मतदाता सूची के शुद्ध होने का असर यह हुआ कि बिहार में पहली बार मतदान प्रतिशत 65 से ऊपर गया। कई अखबारों ने आंकड़ों के साथ बताया कि किसी भी जाति, धर्म या क्षेत्र विशेष में अप्रत्याशित रूप से या अनुपात से ज्यादा नाम नहीं कटे हैं।

इसलिए पूरे देश की मतदाता सूची का शुद्धिकरण होना चाहिए। मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से शिफ्ट कर चुके मतदाताओं और एक से ज्यादा जगह नाम वाले मतदाताओं के नाम निश्चित रूप से काटे जाने चाहिए। यह अच्छा कदम है लेकिन क्या इस अच्छे कदम को लागू करने की जिद में किसी हद तक जाया जा सकता है। क्या इसे लागू करते हुए जमीन पर सामने आ रही वास्तविक समस्याओं की ओर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं है। क्या इसकी कुछ बुनियादी गड़बड़ियों को ठीक नहीं किया जाना चाहिए। इन सवालों का जवाब यह है कि चुनाव आयोग को निश्चित रूप से अपनी जिद छोड़नी चाहिए और जमीनी समस्याओं को समझते हुए उसे दूर करना चाहिए।चुनाव आयोग को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विरोध राजनीतिक लग सकता है या तमिलनाडु के एमके स्टालिन और केरल के पिनरायी विजयन का विरोध राजनीतिक लग सकता है। वहां बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ के प्रदर्शन, विरोध, काम पर नहीं आने आदि के पीछे राजनीति देखी जा सकती है। लेकिन भाजपा शासित राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश या राजस्थान से जैसी खबरें आ रही हैं, चुनाव आयोग उनकी अनदेखी क्यों कर रहा है? कम से कम उन्हें तो आधार बनाया जाए और जरूरी सुधार किए जाएं। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले की हृदयविदारक घटना से भी क्या चुनाव आयोग के दिल में ख्याल नहीं आया कि कुछ सुधार किया जाए? गिर सोमनाथ जिले के 40 साल के एक शिक्षक अरविंद मुलजी वाधेर ने एक बेहद भावुक पोस्ट लिख कर आत्महत्या कर ली। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, कोडिनार के छारा कन्या प्राथमिक स्कूल में शिक्षक अरविंद ने फांसी लगाकर जान दे दी। अपनी पत्नी के नाम सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा, 'मैं अब यह एसआईआर का काम नहीं कर सकताज मैं पिछले कुछ दिनों से लगातार थका हुआ और मेंटली स्ट्रेस में महसूस कर रहा हूं। अपना और हमारे बेटे का ख्याल रखना। मैं तुम दोनों से बहुत प्यार करता हूंज लेकिन अब मेरे पास यह आखिरी कदम उठाने के अलावा कोई चारा नहीं है'। एक जिम्मेदार शिक्षक अरविंद ने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि उनके काम के दस्तावेज स्कूल को सौंप दिए जाएं। इसी तरह की हृदयविदारक घटना उत्तर प्रदेश की भी है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में लोकपाल सुधीर एसआईआर के काम में लगे थे। उनकी शादी 26 नवंबर को होने वाली थी। उन्होंने शादी से जुड़े कामों के लिए छुट्टी मांगी लेकिन उनको छुट्टी नहीं मिली। उलटे सरकारी अधिकारियों ने उनके घर जाकर धमकाया और नौकरी छीन लेने की चेतावनी दी। अपने घर में परिवार के सामने हुए इस अपमान से आहत सुधीर ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। सोचें, उस सरकारी कर्मचारी के सामने कैसी असहायता की स्थिति रही होगी! लेकिन देश की क्रूर और बर्बर हो चुकी नौकरशाही और राजनीतिक व्यवस्था के लिए उस युवक की बेबसी का कोई अर्थ नहीं है।

ये दो प्रतीकात्मक घटनाए हैं। ऐसी दो दर्जन घटनाएं देश भर में हुई हैं। गुजरात के अरविंद हों, रमेश हों, उषाबेन हों या डिंकल सिंगोड़ीवाला या कल्पना पटेल इन सबकी मौत या खुदकुशी के पीछे ऐसी कोई न कोई कहानी है। राजस्थान के मुकेश, हरिओम और संतराम हों या मध्य प्रदेश के उदयभान, भुवन, रमाकांत, सीताराम, मनीराम या सुजान सिंह हों या उत्तर प्रदेश के विजय कुमार वर्मा, बिपिन यादव या सुधीर हों ये सब एसआईआर के काम में लगे थे और काम के अत्यधिक दबाव की वजह से उन्होंने आत्महत्या की है या अचानक मौत हुई है। ये सब भाजपा शासित राज्यों के कर्मचारी हैं। तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में भी अनेक बूथ लेवल अधिकारियों ने आत्महत्या की है या उनकी मौत हुई है।

इस तरह की घटनाओं को रोकना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। अगर चुनाव आयोग सिर्फ यह जिद छोड़ दे कि एक महीने के अंदर एसआईआर का पहला चरण पूरा करना है तो ऐसी घटनाएं अपने आप रूक जाएंगी। ठीक है कि बिहार में एक महीने में पहला चरण यानी मतगणना प्रपत्र बांटने और उन्हें वापस लेकर डिजिटली अपलोड करने का काम पूरा हो गया था लेकिन इससे कोई संवैधानिक बाध्यता या मेडिकल मजबूरी तो नहीं बन गई है कि यह काम हर जगह एक महीने में ही करना है! बिहार में समय नहीं था लेकिन जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अभी एसआईआर चल रहा है वहां तो समय है। गुजरात में तो 2027 के अंत में चुनाव हैं। राजस्थान और मध्यप्रदेश में 2028 के अंत में चुनाव है। उत्तर प्रदेश में भी मार्च 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में जरूर अगले साल अप्रैल में चुनाव हैं लेकिन वहां भी अभी छह महीने का समय है। चुनाव आयोग ने बिहार में एक अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की थी और छह अक्टूबर को चुनाव घोषित किया था। इस लिहाज से भी चुनावी राज्यों में आयोग के पास मार्च तक का समय है। अगर चुनाव आयोग एक महीने में पहला चरण पूरा करने की जिद छोड़ दे और इसे दो महीने भी कर दे तो कर्मचारियों के ऊपर इतना दबाव नहीं होगा कि उसकी वजह से उनकी मौत हो जाए या वे आत्महत्या कर लें।एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में जो बुनियादी खामियां थीं उनमें से बहुत का निपटारा सुप्रीम कोर्ट ने कर दिया है। आधार को स्वीकार करने से लेकर नाम जोड़ने के आवेदन के उपायों तक कई चीजें सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं की सुनवाई से तय हो गई हैं। हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं आया है लेकिन जितने सुधार हुए हैं उनसे अनेक विपक्षी पार्टियां संतुष्ट हैं।

स्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कर्नाटक के उडुपी जिले के कृष्णनुरु में अपने रोड शो के दौरान हाथ हिलाते हुए।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में चाणक्य डिफेंस डायलॉग को संबोधित करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के उडुपी में श्री कृष्ण मठ मंदिर का दौरा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कर्नाटक के उडुपी में श्री कृष्ण मठ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी को नई दिल्ली में वॉरियर मॉम्स पहल के सदस्यों से मिले, जो दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ रहे हैं और बच्चों के लिए साफ हवा की वकालत कर रहे हैं।

आईएनएस खंजर और आईएनएस कोरा, ईस्टर्न नेवल कमांड के दो फ्रंटलाइन गाइडेड मिसाइल कॉर्वेट, जो नेवी वीक सेलिब्रेशन 2025 के हिस्से के तौर पर कोलकाता में को शहर के दौरे पर हैं।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, महुआ मोइत्रा, शताब्दी रॉय और पार्टी के दूसरे नेता नई दिल्ली में निर्वाचन सदन के बाहर चुनाव आयोग की पूरी बेंच के साथ मीटिंग के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए।

दहेज के कारण व्यावसायिक लेन-देन बनकर रह गई है शादी, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- विवाह की पवित्रता हो रही खत्म

नईदिल्ली, 29 नवंबर [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी आपसी विश्वास, एक दूसरे के साथ और सम्मान पर बनी पवित्र व उत्कृष्ट संस्था है। दुख की बात है कि दहेज की बुराई की वजह से यह पवित्र बंधन सिर्फ एक व्यावसायिक लेन-देन बनकर रह गया है।जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ बेंच ने कहा कि दहेज हत्या सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे समाज के विरुद्ध अपराध है। पीठ ने कहा, दहेज की बुराई को अक्सर उपहार या मर्जी से दिए गए चढ़ावे के रूप में छिपाने की कोशिश की जाती है, लेकिन असल में यह सामाजिक रुतबा दिखाने और पैसे के लालच को पूरा करने का जरिया बन गई है। पीठ ने यह बात ऐसे व्यक्ति की जमानत रद करते हुए कही, जिस पर शादी के सिर्फ चार महीने बाद ही दहेज के लिए अपनी पत्नी को जहर देने का आरोप था। सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यक्ति को जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश को उलझा हुआ और बरकरार नहीं रखने लायक पाया, क्योंकि इसमें अपराध की गंभीरता, मरने से पहले दिए गए बयानों और दहेज हत्या की कानूनी सोच को नजरअंदाज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दहेज की सामाजिक बुराई न सिर्फ शादी की पवित्रता को खत्म करती है, बल्कि महिलाओं पर लगातार जुल्म और दबाव भी बनाए रखती है। जब ऐसी मांगें हदें पार कर जाती हैं और क्रुरता में बदल जाती हैं या इससे भी बुरा, एक नई दुल्हन की असमय जान ले लेती है, तो यह अपराध परिवार के निजी दायरे से बाहर निकलकर गंभीर सामाजिक अपराध का रूप ले लेता है। यह सिर्फ एक निजी दुखद घटना नहीं रह जाती, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना का अपमान बन जाती है। पीठ ने कहा, दहेज के लिए हत्या इस सामाजिक बीमारी के सबसे घिनौने रूपों में से एक है, जिसमें एक जवान महिला की जिंदगी उसकी ससुराल में खत्म कर दी जाती है।

जिसमें उसकी कोई गलती नहीं होती, बल्कि वह दूसरों के कभी न खत्म होने वाले लालच को पूरा करने की भेंट चढ़ जाती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे जघन्य अपराध मानवीय गरिमा की जड़ पर हमला करते हैं और अनुच्छेद-14 और 21 के तहत बराबरी और सम्मान से जीने की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करते हैं। वे समुदाय के नैतिक मूल्यों को खत्म करते हैं, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को आम बात बनाते हैं और एक सभ्य समाज की नींव को तोड़ते हैं। ऐसे अत्याचारों के सामने अदालत की निष्क्रियता या गलत नरमी से अपराधियों का हौसला बढ़ेगा और न्याय प्रशासन में जनता का भरोसा कम होगा।

रक्षा उपकरणों की आपूर्ति समय पर नहीं तो सौदा होगा रद, एयर मार्शल दीक्षित ने इस बात पर जताई चिंता

नईदिल्ली, 29 नवंबर [एजेंसी]।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के प्रमुख (सीआइएसस) एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित ने कहा कि भारतीय वायुसेना स्क्वाड्रन की कमी को लेकर चिंताओं से अवगत है, लेकिन वह अपनी युद्धक क्षमता को किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होने देगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि वायुसेना मौजूदा लड़ाकू विमानों, प्रशिक्षण संसाधनों और मानव शक्ति का अधिकतम उपयोग कर रही है, ताकि किसी भी संभावित संघर्ष के दौरान वायु अभियानों पर असर न पड़े। एएनआई के राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में स्क्वाड्रन घटने को लेकर बढ़ती चिंता पर एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, हम भी इस कमी को लेकर चिंतित हैं, लेकिन संसाधनों का सर्वोत्तम इस्तेमाल कर रहे हैं। हमने सिम्युलेटर बढ़ाए हैं, उड़ान घंटों को सुरक्षित कर रहे हैं और सोर्टी (छोटी उड़ानों) की संख्या भी बढ़ाई है। अब एक विमान दिन में छह सोर्टी तक लगा सकता है। मध्यम अवधि के युद्ध के लिए आवश्यक हवाई प्रयास को पूरा करने के लिए ये कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वायुसेना का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी परिस्थिति में युद्धक क्षमताओं में कमी न आए। एयर मार्शल दीक्षित से जब पूछा गया कि क्या औद्योगिक प्रतिष्ठान अपने स्तर पर सुरक्षा तंत्र स्थापित कर सकते हैं, तो उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार देश के भीतर से उड़ने वाले छोटे ड्रोन के खिलाफ स्थानीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की अनुमति है। लेकिन सीमा-पार से आने वाले ड्रोन या हवाई खतरों से निपटना पूरी तरह वायुसेना की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों का फैसला छोटे सिस्टम नहीं करेंगे। नुकसान पहुंचाने वाले ड्रोन से निपटने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम जरूरी होंगे।साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर जैसे आधुनिक युद्धक क्षेत्रों को सीमाहीन डोमेन बताते हुए सीआइएससी एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित ने कहा कि इन क्षेत्रों में संभावनाएं असीमित हैं और भारत पिछले कुछ वर्षों में इन क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा चुका है। उन्होंने कहा कि यह ऐसे क्षेत्र हैं जहां न सीमाओं की बाधा है और न ही स्पष्ट रूप से तय किए गए नियम। ऐसे में केवल रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता ही निर्णायक भूमिका निभाती है।उन्होंने बताया कि देश ने समय रहते इन आवश्यकताओं को पहचाना था और अब समय आ चुका है कि इन क्षमताओं के और विस्तार पर तेजी से काम किया जाए।

महिला को तीन महीने तक बंधक बनाकर मतांतरण का दबाव डाला, 9 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अररिया, 29 नवंबर [एजेंसी]।

बिहार में अररिया जिले के फारबिसगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला को अगवा कर तीन महीने तक कई इलाकों में बंधक बनाकर रखा गया। उसपर मतांतरण के लिए दबाव भी डाला गया। किसी तरह वह आरोपितों के चंगुल से बचकर घर पहुंची। जिसके बाद पति के साथ अररिया व्यवहार न्यायालय पहुंचकर 27 नवंबर को मुकदमा दायर किया।मुकदमे में उसने नरपतगंज थाना क्षेत्र निवासी मो. आलम आजाद सहित आठ लोगों पर आरोप लगाए हैं। पीड़िता के अनुसार, मो. आलम ने 25 अगस्त को उसे फोन पर झांसा दिया कि उसके पति ने बुलाया है। वह घर से निकली तो आलम उसे जबरन अपनी कार में बैठाकर सुपौल जिले के भीमपुर गांव ले गया।वहां कई दिन बंधक रखने के बाद उसे अररिया लाया गया, जहां उसके आधार कार्ड के साथ छेड़छाड़ की गई। आरोप लगाया कि आलम को दूसरे लोगों से उसे विदेश में बेचे जाने की बात करते हुए भी सुनी। इसके बाद उसे फिर भीमपुर और आलम के पैतृक गांव में कैद रखा गया।आरोपितों के स्वजन ने आपत्तिजनक खाद्य पदार्थ खाने और मतांतरण करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर मारपीट की गई। बाद में आलम उसे सहरसा से दिल्ली ले गया, जहां कई दिनों तक एक किराए के मकान में बंधक बनाकर रखा और उसके बच्चे को जान से मारने की धमकी दी।लंबे समय तक कैद और उत्पीड़न के बाद वह किसी तरह 25 नवंबर को अपने ससुराल पहुंची। डर और सामाजिक कलंक के कारण पहले चुप रही, लेकिन बाद में हिम्मत जुटाकर अपने पति के साथ मिलकर उसने न्यायालय की शरण ली है।

भगोड़े मेहुल चोकसी को बड़ा झटका, मुंबई कोर्ट ने आर्थिक अपराधी कार्यवाही खत्म करने की याचिका खारिज की

मुंबई, 29 नवंबर [एजेंसी]।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपित मेहुल चोकसी को झटका देते हुए मुंबई की एक विशेष अदालत ने उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित करने की कार्यवाही रद करने की उसकी याचिका को खारिज कर दी। इस वर्ष अप्रैल में बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद हीरा कारोबारी चोकसी ने पीएमएलए के तहत मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत के समक्ष याचिका दायर कर उसे एफईओ घोषित करने संबंधी ईडी के आवेदन को खारिज करने का अनुरोध किया था। फरार कारोबारी चोकसी ने दलील दी कि वह वर्तमान में भारत में लंबित मामलों के लिए हिरासत में है, जिसके लिए बेल्जियम में भारतीय अधिकारियों द्वारा प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया था। इसलिए उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के लिए ईडी द्वारा दायर आवेदन खारिज किए जाने योग्य है। वह पहले से ही भारत में मामलों के लिए हिरासत में है।ईडी ने उसकी याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि चोकसी भारत नहीं लौटना चाहता क्योंकि वह बेल्जियम में अपने खिलाफ शुरू की गई प्रत्यर्पण कार्यवाही का विरोध कर रहा है।जांच एजेंसी ने दलील दी कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की कार्यवाही उस वक्त समाप्त होती है जब कोई फरार आरोपित अदालत में पेश होता है, इसलिए इसे अभी समाप्त नहीं किया जा सकता।ईडी ने कहा कि आवेदन में कोई दम नहीं है और इसे खारिज किया जाना चाहिए। एफईओ अधिनियम के तहत, किसी व्यक्ति को एफईओ घोषित किया जा सकता है, अगर उसके खिलाफ 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से जुड़े अपराध के लिए वारंट जारी किया गया हो और वह देश छोड़कर भाग गया हो तथा वापस लौटने से इनकार कर रहा हो। आरोपित के एफईओ घोषित होने के बाद जांच एजेंसी उसकी संपत्ति कुर्क कर सकती है।

शादी के 24 घंटे बाद दूल्हे की मौत, डीआरडीओ में वैज्ञानिक थे आदित्य वर्मा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही पुलिस

जयपुर। डीआरडीओ के वैज्ञानिक आदित्य वर्मा अपनी शादी के दो दिन बाद ही राजस्थान के अलवर स्थित अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस घटना की जांच कर रही है। मैसूर स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के संयुक्त निदेशक आदित्य वर्मा की 25 नवंबर को शादी हुई थी। 27 नवंबर की सुबह वह अपने घर के शौचालय में बेहोश पाए गए। परिजन उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीड़ित डीआरडीओ की खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला में काम करता था, जहां वह दो महीने पहले ही शामिल हुआ था।परिवार का कहना है कि आदित्य 27 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे शौचालय गया था, जब वह सुबह 6 बजे तक बाहर नहीं आया तो उसकी मां ने उसके पिता को फोन किया।

धनबाद में मोतियाबिंद महाघोटाला! एक मरीज के दो आंखें, चार आपरेशन दर्ज

धनबाद, 29 नवंबर [एजेंसी]।

झारखंड के धनबाद जिले में मोतियाबिंद ऑपरेशन के नाम पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग को मिली शिकायतों के बाद शुक्रवार को विभागीय टीम ने गोविंदपुर स्थित एक नेत्र अस्पताल में जांच की। टीम जब अस्पताल पहुंची तो वह बंद मिला। इसके बावजूद अधिकारियों ने उपलब्ध दस्तावेजों और पूर्व ऑपरेशन रिकॉर्ड के आधार पर जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाई।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले के कई नेत्र चिकित्सालय सरकारी योजना के तहत हो रहे मोतियाबिंद ऑपरेशन में अनियमितता बरत रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ अस्पतालों ने एक ही मरीज का कई बार ऑपरेशन दिखाकर सरकारी राशि प्राप्त की है।विभाग के सूत्रों के मुताबिक झी लमन बीबी नामक मरीज का वास्तविक मोतियाबिंद ऑपरेशन नयन सुख अस्पताल में किया गया था, लेकिन इसके बावजूद जिले के दो अन्य नेत्र अस्पतालों ने भी उसी मरीज का ऑपरेशन दिखाकर पैसा ले लिया।यह सिर्फ एक मामला नहीं है। जांच टीम को संदेह है कि लगभग एक दर्जन मरीजों के नाम पर तीन से चार बार ऑपरेशन दिखाए गए हैं। यानी मरीज का वास्तविक ऑपरेशन एक बार होने के बावजूद अस्पतालों ने कागजों में कई बार सर्जरी दर्ज कर सरकारी मद से राशि निकाल ली। सिविल सर्जन के निर्देश पर गठित मेडिकल टीम अब सभी रिकॉर्ड, अस्पतालों की सूची, मरीजों के बयान और ऑपरेशन से जुड़े दस्तावेजों की विस्तृत जांच कर रही है।

एनआरआई महिला से चेन स्नैचिंग करने वाला फरार बदमाश गिरफ्तार

68 आपराधिक मामलों में था वांटेड

नईदिल्ली, 29 नवंबर [एजेंसी]।

करोल बाग थाना क्षेत्र में एक एनआरआइ से सोने की चेन झपटकर फरार चल रहे कुख्यात बदमाश को क्राइम ब्रांच की टीम ने आखिरकार दबोच लिया है। आरोपित की पहचान अमन विहार के तरुण उर्फ गादम वाला के रूप में हुई है, जिसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और वह झपटमारी, चोरी, डकैती, सेंधमारी और आर्म्स एक्ट के 68 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। वह थाना अमन विहार से भगोड़ा घोषित है और एनआरआई महिला से सोने की चेन झपटमारी की घटना में वांटेड था। उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, कैलिफोर्निया की रहने वाली एक महिला जो अपने पति के साथ दिल्ली आई थी, उनकी शिकायत पर इसी वर्ष 13 अप्रैल को करोल बाग थाने में मामला दर्ज किया गया था।

शिकायत दर्ज कराते हुए उन्होंने बताया कि सुबह करीब 11.50 बजे, पदम सिंह रोड पर पीएनबी एटीएम से पैसे निकालने के बाद एक काली स्कूटी सवार दो बदमाशों ने उनकी सोने की चेन (लगभग 15 ग्राम) झपटी और गंगा मंदिर मार्ग की तरफ भाग गए। उन्होंने शोर मचाया, लेकिन वे भाग निकले।जांच के दौरान, सह-आरोपित राहुल चालक को गिरफ्तार कर लिया गया था और स्कूटी और सोने की चेन बरामद कर ली गई थी। हालांकि तरुण वारदात के बाद से फरार था। 24 नवंबर को हेड कांस्टेबल सुनील को आरोपित की गतिविधि के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर एसीपी सतेंद्र मोहन की देखरेख में और इंस्पेक्टर महिपाल के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपित अमन विहार से दबोच लिया।

पैसा दो नहीं तो फेंक देंगे नवजात... धनबाद सदर अस्पताल के लेबर रूम का अमानवीय चेहरा उजागर

धनबाद, 29 नवंबर [एजेंसी]।

धनबाद सदर अस्पताल एक बार फिर मनमानी वसूली और अमानवीय व्यवहार के आरोपों से घिर गया है। कतरास की रहने वाली गर्भवती रेखा देवी ने अस्पताल के लेबर रूम की नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए।रेखा देवी ने बताया कि प्रसव के बाद नर्सों ने उनसे नजराने के नाम पर लगभग 4000 रुपये की मांग की। आर्थिक रूप से कमजोर रेखा देवी और उनके पति पवन कुमार ने पैसे देने में असमर्थता जताई, जिसके बाद नर्सों ने नवजात जुड़वा बच्चों को फेंक देने तक की धमकी दे डाली। रेखा देवी ने बताया कि धमकी और दबाव में आकर उनके पति ने किसी तरह ऑनलाइन 1000 रुपये लेबर रूम स्टाफ को दिए। इसके बाद भी नर्सें लगातार और पैसे मांगती रहीं। रेखा देवी ने कहा कि प्रसव के समय जिस संवेदनशीलता और सहयोग की आवश्यकता होती है, वहां उन्हें डर, धमकी और अपमान का सामना करना पड़ा।घटना से भयभीत होकर रेखा देवी अपने दोनों नवजात शिशुओं को लेकर अस्पताल से सीधे धनबाद मेडिकल कॉलेज चली गईं। उनके साथ आई सहिया ने भी पूरे मामले की जानकारी अधिकारियों को दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई है।सहिया ने बताया कि सदर अस्पताल के लेबर रूम में लंबे समय से मरीजों से बार-बार पैसे मांगे जाने की शिकायतें मिल रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल गरीब और जरूरतमंदों के इलाज का सहारा होते हैं, लेकिन यहां खुलेआम वसूली की घटनाएँ प्रशासन की लापरवाही को उजागर करती हैं। पीड़ित परिवार ने जिला स्वास्थ्य विभाग से दोषी नर्सों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

औरंगजेब को महान बताने वाली विचारधारा आज भी मौजूद : कृष्ण गोपाल

नईदिल्ली, 29 नवंबर [एजेंसी]।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि औरंगजेब को महान मानने की विचारधारा इस देश में आज भी मौजूद है और उसकी महानता का गुणगान करने वाले बड़े-बड़े लोग हैं जिन्हें यह समझना चाहिए कि इतिहास को छिपाने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा क यही वह असहिष्णु विचारधारा है, जिसके विरुद्ध श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपना बलिदान दिया था। इसी असहिष्णु विचारधारा ने देश का बंटवारा कर दिया। विचारधारा की वह लड़ाई आज भी जारी है, जिसमें एक वर्ग किसी भी कीमत पर अपनी बात मनवाने पर अड़ा हुआ है, जबकि दूसरा वर्ग सब को साथ लेकर चलने की बात करता है।वह नौवें पातशाही साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान के 350वीं वर्षगांठ के अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित समागम को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने आगे कहा कि श्री गुरु के बलिदान की पृष्ठभूमि को समझने की जरूरत है। यह संघर्ष किसी भी सभ्यता के साथ समन्वय न करने वाली आक्रमणकारी विचारधारा के साथ भारतीय परंपरा के विचार का था। भारतीय विचार मानता है की हजारों मत एक साथ मिलकर रह सकते हैं जबकि आक्रमणकारी यहां के लोगों को मतांतरित करने के उद्देश्य से आए थे।

समागम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पंजाब एंड सिंध बैंक के पूर्व अध्यक्ष डा. चरन सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब ने अपने बलिदान से समूचे संसार को संदेश दिया है कि आध्यात्मिकता को भौतिकता का मार्गदर्शक होना चाहिए।

दूसरी महिला से विवाह करने जा रहा था शादीशुदा पुलिसकर्मी, पुलिस ने रोकी शादी

अलवर। अलवर में एक पुलिस कांस्टेबल को शुक्रवार को कथित तौर पर दूसरी महिला से शादीकरने से रोक दिया। पुलिस ने बताया कि पहले से विवाहित है और उसका तलाक नहीं हुआ है। पुलिस ने बताया कि यह घटना यहां एक होटल में घटी, जहां कांस्टेबल जय किशन अपने परिवार के कुछ सदस्यों की मौजूदगी में कथित तौर पर गुपचुप तरीके से शादी करने की कोशिश कर रहा था।पुलिस ने बताया कि इसकी जानकारी मिलने पर उसकी पहली पत्नी रीना अपने परिवार के साथ होटल पहुंची और कांस्टेबल को पकड़ लिया।रीना के भाई भूपेंद्र सिंह ने बताया कि जय किशन ने 2011 में रीना से शादी की थी। हालांकि, शादी के छह साल बाद जय किशन किसी दूसरी महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया, जिसके बाद रीना अपने माता-पिता के साथ रहने लगी। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और समारोह को रोक दिया।

उमर ने पहलगाम-दिल्ली आतंकी हमले के लिए उपराज्यपाल प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार, कहा- मेरे कार्यकाल में नहीं हुए ऐसे हमले

श्रीनगर, 29 नवंबर [एजेंसी]।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पहलगाम नरसंहार और दिल्ली में आत्मघाती आतंकी हमले के लिए उपराज्यपाल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि मैं छह वर्ष पहले भी मुख्यमंत्री रह चुका हूं, क्या ऐसे हमले हुए थे।आप सुरक्षा की जिम्मेदारी निर्वाचित सरकार को दीजिए, जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दीजिए, हम सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। अगर फिर भी इस तरह के हमले होते हैं तो केंद्र सरकार हमारा राज्य का दर्जा वापस लेकर पुनः केंद्र शासित प्रदेश बना दे। नेशनल कान्फ्रेंस की कार्यकारी समिति की दो दिवसीय बैठक के संपन्न होने के बाद पत्रकारों से उमर ने कहा कि जम्मू कश्मीर में दोहरी शासन प्रणाली के कारण कई प्रशासनिक दुविधाएं पैदा हो रही है। बहुत से ऐसे विभाग हैं जो जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत निर्वाचित सरकार के पास होने चाहिए, लेकिन नहीं है। यहां दो विश्वविद्यालयों का चांसलर मुख्यमंत्री होना चाहिए,लेकिन नहीं है, शेरे कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान सौरा की फाइलें लटकी हैं। सूचना विभाग में जहां जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा अधिकारी को निदेशक बनाना चाहिए,वहां आईएएस कैडर का अधिकारी लगाया है, आखिर क्यों। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर की जनता की मौजूदा समस्याओं का इलाज एक ही है कि संसद में जो वादा पूरे देश के साथ किया।सर्वोच्च्च न्यायालय में जो कहा गया कि पहले परिसीमन होगा, फिर चुनाव होगा और उसके बाद राज्य का दर्जा बहाल होगा, जो बार बार हमसे राज्य के दर्जा का वादा किया है,वह पूरा होना चाहिए। जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं होता, तब तक जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को पूरी तरह से लागू किया जाए।उमर ने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत कहीं अपनी सीमाएं नहीं लांघ रहे हैं,लेकिन उसके बावजूद निर्वाचित सरकार के कामकाज में हस्ताक्षेप किया जा रहा है।उन्होंने उम्मीद जताते कहा कि मैं नहीं मानता कि केंद्र सरकार इतनी झूठी है कि हमें चार वर्ष राज्य के दर्जे के लिए इंतजार करना पड़े। वह वादा जल्द पूरा करेगी। अगर वह यह कह दे कि हम आपको इसलिए सजा दे रहे हैं कि यहां भाजपा चुनाव नहीं जीती तो हम सजा भुगतने को तैयार हैं, लेकिन इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेंगे।उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा देने में देरी के लिए पहलगाम हमले को एक कारण बताने की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आप हमें राज्य के दर्जे से वंचित रखने के लिए उन घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते, जिनकी जिम्मेदारी हमारी नहीं है।मैं छह वर्ष पहले भी मुख्यमंत्री रह चुका हूं,क्या ऐसे हमले हुए थे। आप सुरक्षा की जिम्मेदारी निर्वाचित सरकार को दीजिए, जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा दीजिए, हम सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। अगर फिर भी इस तरह के हमले होते हैं तो केंद्र हमारा राज्य का दर्जा वापस ले, पुनः केंद्र शासित प्रदेश बना दे।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बिजली मीटर को जरूरी बताते हुए कहा कि इसका विरोध अनुचित है। हम तभी निश्शुल्क बिजली दे पाएंगे जब लोगों के घरों में मीटर होगा। मीटर से ही पता चलेगा कि कौन कितनी बिजली की खपत कर रहा है। हम 200 यूनिट निश्शुल्क बिजली देने के अपने वादे को पूरा करेंगे।उमर ने कहा कि दैनिक वेतनभोगियों का मुद्दा हमारा पैदा किया हुआ नहीं है,यह हमें विरासत में मिला है। हम इसका ऐसा कोई व्यावहारिक हल निकालने का प्रयास कर रहे हैं,जिसे लागू करने में कोई दिक्कत न हो और यह मामला हमेशा के लिए हल हो जाए।उमर ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर उन लोगों को उपदेश देने का कोई हक नहीं है,जिनकी नाक के नीचे जब इसमें बदलाव हुआ था। केबिनेट उप समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। अब अगली केबिनेट बैठक में इस पर चर्चा होगी और रिपोर्ट की सिफारिशों को अनुमोदित किया जाएगा।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा हमने अपने चुनाव घोषणापत्र से कोई विश्वासघात नहीं किया है।

दिल्ली में बढ़ते ई-वेस्ट पर नगर निगम की सख्ती, अवैध रूप से इलेक्ट्रॉनिक सामान तोड़ने पर पांच गोदाम सील

पूर्वी दिल्ली, 29 नवंबर [एजेंसी]।

दिल्ली नगर निगम का शाहदरा उत्तरी जोन प्रदूषण फैलाने वालों पर लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में निगम ने मुस्तफाबाद व इसके पास के क्षेत्रों में ई-वेस्ट के पांच गोदामों को सील किया है।निगम ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह ई-वेस्ट के गोदाम को चलने नहीं देगा। कार्रवाई रूकेगी नहीं, जारी रहेगी। जहां भी ई-वेस्ट के गोदाम मिलेंगे उन्हें सील किया जाएगा। दिल्ली पुलिस की मौजूदगी में निगम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।नगर निगम ने बताया कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को काम करने के लिए निगम ने कमर सकी हुई है। ग्रेप के प्रतिबंधों का पालन करवाया जा रहा है। ई-वेस्ट के गोदामों के खिलाफ निगम ने अभियान चलाया हुआ है। निगम ने पुराना मुस्तफाबाद में दो ई-वेस्ट के गोदामों को सील किया।यहां पर अवैध रूप से इलेक्ट्रॉनिक सामान को तोड़ा जा रहा था, उसके पुर्जों को अलग-अलग करके बेचा जा रहा था। चमन पार्क और भागीरथी विहार में तीन गोदामों को सील किया। पांच संपत्तियां खाली पाई गईं। निगम का कहना है जिनकी संपत्तियां सील की गई है, उनके चालान भी किए जाएंगे।

मलकाडोल में बन रही रिंगवाल की गुणवत्ता पर ग्राम पंचायत को आपत्ति, की शिकायत

जनकपुर। एमसीबी जिले के भरतपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम मलकडोल में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सडक निर्माण का कार्य किया जा रहा है। सड़क की कटाव को रोकने के लिए रिंगवाल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। लेकिन ठेकेदार द्वारा रिंगवाल का निर्माण कार्य मानक के विपरीत किए जाने से स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

उन्होंने ठेकेदार पर आरोप लगाया कि मुनीम के माध्यम से रिंगवाल का घटिया निर्माण कराया जा रहा है। ग्राम मलकडोल के छिंगरहना पारा स्थित ज्वालामुखी माता मंदिर के नजदीक निर्माणाधीन रिंगवाल में निर्धारित मानक के विपरीत मनमाना ढंग से निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और विभाग के जिम्मेदार अधिकारी निर्माण स्थल में झांकने तक नहीं आते है। वहीं ग्राम पंचायत मलकडोल के सरपंच प्रेमलाल सिंह एवं वार्ड पंचो ने बताया कि ठेकेदार का मुनीम मनमर्जी से 12 तगाड़ी गिट्टी, 14 तगाड़ी रेत, 03 तगाड़ी सीमेंट का मिश्रण बनाकर रिंगवाल का निर्माण कर रहा है। जो निर्धारित मानकों के विपरीत है। वार्ड पंच बद्रीप्रसाद सिंह एवं अन्य ग्रामीणों ने रिंगवाल के निर्माण कार्य को गुणवत्ता विहीन व घटिया स्तर का बताते हुए आरोप लगाए कि निर्माण में सीमेंट की निर्धारित मात्रा से कम डाला जा रहा है और वाइब्रेटर का भी उपयोग नहीं किया जा रहा है। वहीं पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मांग किए कि निम्न गुणवत्ता से बनाई जा रही रिंगवाल निर्माण को तुड़वाकर पुन: मानक के अनुसार निर्माण कार्य कराया जाए। सरपंच प्रेमलाल सिंह ने आगे बताया कि इस संबंध में जब प्रधानमंत्री सड़क के कार्यपालन अभियंता मोतीराम सिंह से उनके मोबाईल में जानकारी दी गई तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं दिया और फोन को काट दिया। जिससे प्रतीत होता है कि विभागीय जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा घटिया निर्माण करने के लिए ठेकेदार को खुली छूट दे रखी है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग किए कि रिंगवाल निर्माण के गुणवत्ता की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किया जाए।

उचित मूल्य दुकान में करीब 11 लाख का खाद्यान्न घोटाला उजागर, विक्रेता पर अपराध पंजीबद्ध

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के पटना थाना अंतर्गत ग्राम तेंदुआ स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में बड़े पैमाने पर खाद्यान्न व्यपवर्तन (डाइवर्जन) का मामला सामने आया है। खाद्य निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार की संयुक्त जांच में दुकान के स्टॉक से करीब 10.95 लाख रुपये मूल्य का चावल और नमक गायब पाया गया। मामले में दुकान संचालक रमाशंकर साहू के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जांच टीम ने 24 से 26 नवंबर के बीच दुकान का भौतिक सत्यापन किया। रिपोर्ट के मुताबिक चावल 275.08 क्विंटल कम, मूल्य लगभग 10,86,816 रुपए, नमक 7.73 क्विंटल कम, मूल्य लगभग 8,028 रुपए आंकी गई है। कुल मिलाकर 10,94,845 का खाद्यान्न दुकान स्टॉक में कम पाया गया। नियमित रूप से दुकान बंद, अंगूठा लगवाकर फर्जी वितरण-जांच में यह भी सामने आया कि विक्रेता रमाशंकर साहू दुकान को नियमित रूप से नहीं खोलते थे और कई हितग्राहियों से बिना अनाज दिए ही अंगूठा लगवाकर वितरण दिखा दिया जाता था। यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) नियंत्रण आदेश 2016 की कंडिका 11(5), 11(11), 12(3), 13(1), 13(2) और 15 का गंभीर उल्लंघन पाया गया। पूरी जांच रिपोर्ट खाद्य निरीक्षक सुश्री अनिता मानिकपुरी द्वारा प्रस्तुत की गई थी, जिसके आधार पर कलेक्टर कार्यालय ने दुकान संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया। थाना पटना में शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी ने मामले में अपराध पंजीबद्ध करते हुए प्रधान आरक्षक सतेंद्र तिवारी को विवेचना सौंपी है। पुलिस अब खाद्यान्न व्यपवर्तन के पूरे तंत्र की जांच करेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में गहन पुनरीक्षण तेज

एमसीबी। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बूथ स्तर अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना पत्रक एकत्रित करने का कार्य तेजी से जारी है। केल्हारी तहसील के ग्राम पंचायत बुलाकी टोला में बीएलओ दिनेश कुमार तिवारी ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीण रामलाली एवं सीमा के गणना पत्रक प्राप्त किए।

किसान शिवप्रसाद साहू ने बेचा 20.40 क्विंटल धान

कोरिया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के तहत आज ग्राम तेन्दुआ निवासी 35 वर्षीय किसान श्री शिवप्रसाद साहू (पिता - श्यामलाल) ने सहकारी समिति, पटना में पहुंचकर धान विक्रय किया। उन्होंने समिति के माध्यम से टोकन प्राप्त किया था। शिवप्रसाद ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 1 एकड़ भूमि में धान की खेती की थी। खरीदी केंद्र में उन्होंने 20.40 क्विंटल धान की बिक्री की। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 2369 प्रति क्विंटल की समर्थन मूल्य दर के अनुसार उन्हें 48327 रुपए की राशि प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि धान बिक्री से मिली राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की पढ़ाई, खेती, कर्ज भुगतान, खाद-बीज और दैनिक जरूरतों में व्यय करेंगे।

हटाए गए नगर पंचायत पटना के सीएमओ

कोरिया बैकुंठपुर। नगर पंचायत पटना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिकंदर सिदार के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। जारी आदेश के अनुसार, नगर पंचायत पटना में उनके पदस्थापना के दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों के भुगतान में गंभीर अनियमितताओं की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है। विभागीय स्तर पर गहन परीक्षण के बाद यह पाया गया कि निर्माण मदों में भुगतान प्रक्रिया निर्धारित मानकों के विपरीत की गई, जिससे शासन को आर्थिक हानि की आशंका गहराई है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि श्री सिदार का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 के स्पष्ट रूप से विपरीत है, जिसमें अधिकारियों को ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का प्रावधान है। इस नियम के उल्लंघन को गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखा जाता है। इसी आधार पर राज्य शासन ने तत्काल प्रभाव से सिकंदर सिदार को निलंबित करने का निर्णय लिया है। उनका निलंबन छत्तीसगढ़ राज्य नगर पालिका सेवा (कार्यालयीन/ शैक्षणिक/ स्वास्थ्य) सेवा, भर्ती एवं सेवा शर्त नियम 2017 के नियम 33 के अंतर्गत किया गया है, जो सेवा संबंधी गंभीर अनियमितताओं की स्थिति में तत्काल निलंबन का प्रावधान करता है। निलंबन अवधि में श्री सिदार का मुख्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा, जैसा कि सेवा नियमों में प्रावधानित है। यह आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से उप सचिव अजय तिर्की द्वारा 26 नवंबर 2025 को डिजिटल हस्ताक्षर सहित जारी किया गया। शासन की इस कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर भी इस निर्णय ने शासन की दृढ़ता और अनुशासनहीनता के प्रति शून्य सहनशीलता के संदेश को स्पष्ट किया है।

फॉस्टर केयर में जरूरतमंद बच्चों को मिल रहा सुरक्षित माहौल

कोरिया। छत्तसीगढ़ में फॉस्टर केयर कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य उन बच्चों को सुरक्षित और स्नेहमय परिवारिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिसके माता-पिता किसी कारणवश उनकी देखभाल नहीं कर पा रहे हो। इसके तहत ऐसे बच्चों को उपयुक्त, सक्षम और जिम्मेदार परिवारों को देखरेख में रखा जाता है, ताकि उन्हें भावनात्मक सुरक्षा, प्यार, पारिवारिक माहौल, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर सामाजिक विकास मिल सके। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य संस्थागत देखभाल (बाल देखरेख संस्था) की बजाय पारिवारिक देखभाल को बढ़ावा देना है। स्थिर आय वाला परिवार कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ्य, सुरक्षित और अनुकूल पारिवारिक वातावरण बच्चे के विकास के लिए पर्याप्त स्थान व संसाधन, बाल संरक्षण समिति द्वारा सत्यापन, एवं पालन करने की सहमति। आधार कार्ड, निवास, आय, चरित्र, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, वैवाहिक स्थिति प्रमाण, पुलिस सत्यापन/चेक वितरण, फोटो, आवेदन पत्र। सुरक्षित आश्रय, भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, भावनात्मक और सामाजिक विकास। मासिक देखरेख अनुदान के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलता है। ऐसे जिनके माता-पिता जीवित हो. लेकिन देखभाल में असमर्थ हो। जैसे अनाथ, परित्यक्त बच्चे, खोए हुए बच्चे, कठिन परिस्थितियों में पाए गए बच्चे एवं अधिक जानकारी के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग बैकुण्ठपुर, मो.न. 9425256713, 9993625223 पर संपर्क कर सकते है।

आनलाईन माध्यम से टोकन कटना हुआ आसान

कोरिया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के तहत आज ग्राम सलबा निवासी 33 वर्षीय किसान श्री दीपक कुमार (पिता - चक्रधारी सिंह) ने सहकारी समिति, सलबा में पहुंचकर धान विक्रय किया। उन्होंने आनलाईन माध्यम से टोकन प्राप्त किया था। दीपक ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 0.7600 हेक्टेयर भूमि में धान की खेती की थी। खरीदी केंद्र में उन्होंने 39.20 क्विंटल धान की बिक्री की। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 2369 प्रति क्विंटल की समर्थन मूल्य दर के अनुसार उन्हें 92864.8 रुपए की राशि प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि धान बिक्री से मिली राशि का उपयोग वे अपने खेती, कर्ज भुगतान, खाद-बीज के साथ दैनिक जरूरतों में व्यय करेंगे।

किसान ने सरकार पर जताया भरोसा

कोरिया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बीच आज सलबा समिति में ग्राम सारा के 45 वर्षीय किसान श्री बनारसी यादव पिता देवनन्दन यादव ने धान विक्रय किया। उनके पास कुल 1.3300 हेक्टेयर का पंजीकृत रकबा है। उन्होंने टोकन समिति के माध्यम से सहजता से टोकन प्राप्त कर उपार्जन केंद्र में पहुंचकर 68.80 क्विंटल धान की बिक्री पूरी की। धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती-बाड़ी, दैनिक आवश्यकताओं और कर्ज भुगतान के लिए करेंगे। धान खरीदी में तकनीकी सुविधाओं के उपयोग से किसानों की प्रक्रिया अब अधिक पारदर्शी और समय बचाने वाली हो गई है, जिसका लाभ श्री बनारसी जैसे अनेक किसान उठा रहे हैं। सरकार के निर्णयों पर विश्वास जताते हुए श्री बनारसी यादव ने कहा- श्री विष्णु देव साय सरकार किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले ले रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि छत्तीसगढ़ सरकार पूरे देश में सबसे अधिक दाम पर धान खरीद रही है। यह हमारे लिए गर्व और भरोसे की बात है।

लोगों का अधिकार है उनकी पूंजी, हुई कार्यशाला

कोरिया। जिले में विशेष कैंप 'आपका पूंजी, आपका अधिकार' का सफल आयोजन जिला पंचायत मंथन कक्ष में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य उन खाताधारकों को उनकी पुरानी, निष्क्रिय और बंद पड़े खातों की राशि वापस दिलाना था, जो भारतीय रिज़र्व बैंक के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड (डीईएफ) खाते में चली गई है।

कार्यशाला में जिले के बैंक, बीमा कंपनियाँ और अन्य वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे, जिन्होंने खाताधारकों के जमा की गई राशि वापस पाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही हितग्राहियों को उनकी राशि वापसी के लिए जरूरी दस्तावेज़ और दावा प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। भारतीय रिज़र्व बैंक से पिछले 2 माह में जिले के 147 खातों के 2.02 करोड़ रुपए की वापसी हुई है, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 33 खातों से 1.34 करोड़, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 13 खातों से 52 लाख, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के 101 खातों से 16 लाख की राशि शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सम्पूर्ण डेफ खताओं से लगभग 7 करोड़ की वापसी होना है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि पात्र हितग्राही की पूंजी वापस लाने की जिम्मेदारी बैंक की है और जिला प्रशासन इस कार्य में पूर्ण सहयोग करेगी। सभी बैंक, जिले के पिछड़े क्षेत्र के लोगों को विश्वास दिलाए कि उनका पैसा मिल जाएगा और लोगों में जनजागरुकता फैलाए, साथ ही नए-नए योजनाओं के बारे में उन्हें अवगत कराएं। अमेन्द्र कुमार गुप्ता उप महा प्रवंधक भारतीय रिज़र्व बैंक, ने कहा कि यह अभियान आर्थिक जागरूकता बढ़ाने तथा नागरिकों को उनके वित्तीय अधिकारों के प्रति सजग करने का बेहतरीन प्रयास है। उन्होंने बताया कि कई लोग अपनी जमा पूंजी के बारे में जानकारी खो देते हैं, जिससे उनकी राशि रिज़र्व बैंक में चली जाती है, जिसे अब यह अभियान वापस लाने में मदद कर रहा है। यह अभियान 1 अक्टूबर से शुरू होकर 31 दिसंबर तक जारी रहेगा और जिले की सभी बैंक शाखाएँ, बीमा कंपनियाँ तथा वित्तीय संस्थान इसमें सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। जिलावासी अपनी आवश्यक दस्तावेजों के साथ इस अभियान का लाभ उठाकर अपनी खोई पूंजी को वापस पा सकते हैं। कार्यशाला के दौरान 10 खाता धारकों को लगभग 35 लाख वापसी होने पर प्रशस्ति पत्र दिया साथ ही 'आपकी पूंजी, आपका अधिकारश' पुस्तक का विमोचन किया गया। इस कार्यशाला में श्री सदानंद बास्के एल.डी.ओ. भारतीय रिज़र्व बैंक, शशिभूषण पाठक अग्रणीय प्रबंधक कोरिया, क्षेत्रीय प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय प्रबंधक छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, शशि भूषण पाठक, अग्रणी जिला प्रबंधक, जिला कोषागार पदाधिकारी कोरिया, सभी बैंको के शाखा प्रबंधक एवं विभागीय कर्मचारी शामिल रहें।

तालाब से कई किसानों को सिंचाई सुविधा देना हुआ आसान

कोरिया। जिला कोरिया के विकासखण्ड मुख्यालय बैकुण्ठपुर से लगभग 15 किलोमीटर दूर ग्राम भखार में खरपोली एक पुराना तालाब था। यह तालाब सिर्फ एक जल निकाय नहीं, बल्कि पूरे गांव की जीवन रेखा था। लेकिन समय के साथ, इस तालाब की हालत जर्जर हो गई थी। महात्मा गांधी नरेगा की मदद से ग्रामीणों ने अपने तालाब को एक नया जीवन देते हुए बहुपयोगी जल संसाधन बना लिया है। बरसों से गाद और मिट्टी भर जाने के कारण, तालाब ने अपनी गहराई खो दी थी। गांव वालों के लिए यह एक बड़ी समस्या बन गई थी क्योंकि हर साल गर्मी आते ही तालाब पूरी तरह से सूख जाता, जिससे न तो मवेशियों के लिए पानी बचता और न ही खेतों की सिंचाई के लिए। गांव के लोग लंबे समय से इसकी दशा सुधारने की मांग कर रहे थे। ग्राम पंचायत की मांग के अनुसार इसे ग्राम सभा के लेबर बजट में शामिल करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में, जिला पंचायत, कोरिया की पहल पर, इस तालाब के गहरीकरण कार्य की स्वीकृति जारी की गई। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटीयोजना के तहत, ग्राम पंचायत चारपारा को कार्यान्वयन एजेंसी बनाया गया और खरपोली तालाब गहरीकरण कार्य के लिए 7 लाख 55 हजार की राशि स्वीकृत की गई।

डोर-टू-डोर जा कर बनाया जा रहा आयुष्मान कार्ड एवं वय - वंदना कार्ड

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधकों के द्वारा मॉनिटरिंग सुपरविजन किया जा रहा है। विकासखण्ड बैकुंठपुर से विकासखण्ड सोनहत में तर्रा बसेर, दामुज, पुसला, कुशहा, ओदारी से जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता, कम्प्यूटर आपरेटर टीम सहित ग्रामों में घर - घर भ्रमण कर आयुष्मान कार्ड एवं वय - वंदना कार्ड बनाया जा रहा है। मॉनिटरिंग के माध्यम से कार्य की प्रगति हेतु लगातार निगरानी की जा रही है। जिनके आधार अपडेट नहीं है उनका आधार अपडेशन भी किया जा रहा है ताकि आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड की उपलब्धि शत-प्रतिशत हो सके। ग्रामों में कम्युनिटी स्तर पर एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर में परिवार नियोजन के जागरूकता हेतु बैठक कर जानकारी दी जा रही है, जन-जागरूकता हेतु स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है ताकि उपलब्धि शत-प्रतिशत हो सके।

पर्यावरण संरक्षण के लिए कोशिश

कोरिया। कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी एन.एस. रावटे के मार्गदर्शन और जिला मिशन समन्वयक श्रीमती दीपिका पटेल, संरक्षण अधिकारी श्रीमती वित्तबाला श्रीवास्तव की उपस्थिति में ग्राम पंचायत बड़गाँव के उन्नती महिला संकूल सगठन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्व. सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत कोरिया के अध्यक्ष श्री मोहित राम पैकरा एवं जन प्रतिनिधि गणमान्य नागरिक उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा महिलाओं को संबोधित किया एवं अतिथियों के द्वारा पौधा रोपण कर प्रदुषण मुक्त रहित पर्यावरण रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के हित में संचालित अधिनियम एवं योजनाओं की जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा विस्तार पूर्वक दी गई।

खेलकूद स्पर्धा में महिला खिलाड़ियों ने दिखाया कौशल, विजेता पुरस्कृत

कोरिया बैकुंठपुर। जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का जिला प्रशासन कोरिया (बैकुंठपुर) के मार्गदर्शन खेल एवं युवा कल्याण विभाग कोरिया के द्वारा जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, की उपस्थिति में और जिला शिक्षा अधिकारी, कोरिया, विनोद कुमार राय एवं प्राचार्य स्वामी आत्मानंद बैकुंठपुर की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, खो-खो, रस्साकशी, 100 मीटर, 400 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो और बैडमिंटन जैसे कई खेलों का आयोजन कर सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार, मेडल एवं प्रमाण पत्र दे कर जिसने जिले की महिलाओं और बालिकाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का एक शानदार मंच प्रदान किया। उपस्थिति और सहयोग? इस पूरे आयोजन के दौरान सभी पीटीआई (शारीरिक शिक्षा शिक्षक) शिक्षक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन कोरिया (बैकुंठपुर) के मार्गदर्शन से यह प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रामस्वरूप सिंह ने बेचा 53.60 क्विंटल धान

कोरिया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के तहत आज ग्राम तिलवनडाड निवासी 40 वर्षीय किसान श्री रामस्वरूप सिंह (पिता- श्री दिलीप सिंह) ने साख सहकारी समिति, सलबा में पहुंचकर धान विक्रय किया। किसान रामस्वरूप ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 1.0400 हेक्टेयर भूमि में धान की खेती की थी। खरीदी केंद्र में उन्होंने 53.60 क्विंटल धान की बिक्री की। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 2369 प्रति क्विंटल की समर्थन मूल्य दर के अनुसार उन्हें 126948.4 रुपए की राशि प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि धान बिक्री से मिली राशि का उपयोग वे खेती, खाद-बीज की खरीदी एवं दैनिक उपयोग की आवश्यकताओं को पूरा करने में करेंगे। किसान रामस्वरूप ने खरीदी केंद्र की सुगम एवं व्यवस्थित प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि इस वर्ष किसानों के लिए की गई व्यवस्थाएँ काफी सुविधाजनक और पारदर्शी हैं।

समिति की व्यवस्था से संतुष्ट, प्राप्त राशि का करेंगे खाद-बीज एवं दैनिक जरूरतों में उपयोग

कोरिया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के तहत आज ग्राम सारा निवासी 28 वर्षीय कृषिका विमला सिंह (पिता - सूरजलाल सिंह) ने सहकारी समिति, सलबा में पहुंचकर धान विक्रय किया। उन्होंने समिति के माध्यम से टोकन प्राप्त किया था। विमला सिंह ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 1.1900 हेक्टेयर भूमि में धान की खेती की थी। खरीदी केंद्र में उन्होंने 50 क्विंटल धान की बिक्री की।

21 उपार्जन केंद्रों में पुख्ता व्यवस्था, अवैध धान परिवहन पर पैनी नजर

कोरिया बैकुंठपुर। खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी के महापर्व की शुरुआत 15 नवंबर से हो चुकी है और इसके साथ ही कोरिया जिले के उपार्जन केंद्र कृषि गतिविधियों से गुलज़ार हो उठे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को देश का सर्वाधिक 3100 प्रति क्विंटल मूल्य उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके कारण प्रदेश की धान खरीदी प्रणाली पूरे देश में एक मजबूत मिसाल के रूप में स्थापित हो चुकी है। जिले के 21 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी तेज़ गति से जारी है। 15 से 28 नवंबर के बीच जिले के 1,746 किसानों द्वारा कुल 84,530.40 क्विंटल धान बेचा जा चुका है। इस धान की खरीदी के एवज में सरकार द्वारा त्वरित भुगतान की नीति के तहत 20 करोड़ 2 लाख रुपए किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से सीधे हस्तांतरित किए गए हैं। तेज़ भुगतान प्रणाली और पारदर्शिता के कारण किसान संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। साथ ही धान की ऊँची दर से किसानों में आर्थिक खुशहाली की उम्मीद भी बढ़ी है। धान खरीदी के साथ-साथ कृषि ऋण अदायगी की प्रक्रिया भी प्रभावी रूप से चल रही है। अब तक किसानों से करीब 4 करोड़ रुपए की कृषि ऋण वसूली की जा चुकी है, जिससे सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है। जिले के सभी 21 उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, तौल मशीनों की नियमित जांच, सुरक्षा व्यवस्था, तेज़ टोकन प्रक्रिया, सुगम परिवहन मार्ग जैसे सभी इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, किसानों की किसी भी शिकायत के त्वरित समाधान के लिए किसान सहायता केंद्र भी स्थापित किया गया है। यह केंद्र किसानों का मार्गदर्शन करने और समस्याओं के त्वरित निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी स्वयं धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया पर लगातार नज़र रख रही हैं। वे प्रतिदिन अधिकारियों और कर्मचारियों से खरीदी की स्थिति की समीक्षा कर रही हैं। साथ ही, वे व्हाट्सऐप समूहों और बैठकों के माध्यम से शासन से प्राप्त निर्देशों की जानकारी तुरंत फील्ड स्टाफ तक पहुंचा रही हैं, ताकि धान खरीदी में किसी प्रकार की देरी या समस्या न आए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा है, पंजीकृत किसानों से एक-एक दाना धान खरीदा जाएगा। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हर किसान को उसका उचित मूल्य मिले। कलेक्टर त्रिपाठी ने दी चेतावनी, अवैध धान परिवहन या अनियमितता पाए जाने पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध धान पर प्रशासन की पैनी निगरानी, धान खरीदी की सुचारू व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रशासन ने अवैध धान परिवहन, बाहरी धान की एंट्री, जमाखोरी और गलत तरीके से समर्थन मूल्य का लाभ उठाने जैसी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखे हुए हैं। जिला प्रशासन की टीमें नियमित गश्त कर रही हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

अरमान के खिलाफ अपराध दर्ज

कोरबा। शहर की मानिकपुर चौकी पुलिस ने अरमान खान उर्फ मुंडा के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं में अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अरमान की दादी पीड़ित है। उसके द्वारा अरमान की हरकत से त्रस्त होकर शिकायत दर्ज कराई गई। बताया गया कि वह आए दिन घर की शांति में व्यवधान उत्पन्न करता है। इस वजह से कलह की स्थिति निर्मित हो रही है। उसे कई बार समझाने की कोशिश की गई लेकिन नतीजा शून्य रहे। आखिरकार परिजनों ने पुलिस की शरण ली। पुलिस के द्वारा प्रार्थी की शिकायत के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है और प्रकरण में अगली कार्रवाई की जा रही है। मानिकपुर पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था को बहाल करने के लिए हर संभव प्रयत्न किया जा रहे हैं। बीट सिस्टम पर पहले से ही काम किया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों से परस्पर संपर्क और संवाद की निरंतर बनाई गई है ताकि हर प्रकार की सूचनाओं समय पर पुलिस के पास पहुंचती रहे।

कार्यसमिति की बैठक कल

कोरबा। बिजली कर्मचारी महासंघ प्रदेश कार्यसमिति की बैठक कल अंबिकापुर में आयोजित की गई है। प्रदेश महामंत्री नवरतन बरेठ ने बताया कि तीन महीने बाद हो रही इस बैठक में किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। खासकर बिजली कर्मचारी संघ के द्वारा पुराने पेंशन स्कीम को लागू करने एवं संविदा के आधार पर काम कर रहे कर्मचारियों को नियमित करने का मुद्दा था। इस मुद्दे पर धरना प्रदर्शन किया गया है। प्रबंधन की ओर से इस मामले में अभी तक घोषणा नहीं की गई है, जिसका इंतजार बिजली कर्मचारी संघ के कार्यकर्ता कर रहे हैं। कल की बैठक में राष्ट्रीय सचिव आरएस जायसवाल, प्रदेश अध्यक्ष संजय तिवारी, कमल नारायण यादव, सुनीता जायसवाल, पूर्णिमा साहू सहित अन्य कार्यकर्ता भाग लेंगे।

एमईसीएल के साथ ही निजी कंपनियां भी उतरेंगी कोयला की तलाश में, आदेश जारी

कोरबा। लंबे समय से कोयला सहित विभिन्न प्रकार के खनिज की खोजबीन के लिए भूगर्भ में काम करने की जिम्मेदारी सरकार ने मुख्य रूप से मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड को दे रखी थी। बहुत सारे काम उसके द्वारा किए गए। समय के साथ दबाव बढ़ने और कामकाज को शीघ्रता से कराने के चक्कर में अब निजी कंपनियों को भी इस काम में लगाया जा रहा है। सरकार के आदेश के तहत कोयला समेत दूसरे खनिजों की खोज एमईसीएल व अन्य कंपनियां कर सकेगी।

केंद्र सरकार ने देशभर में कोयले की खोज में निजी कंपनियों को भी शामिल कर लिया है। इस पहल का उद्देश्य कोयला खदानों के संचालन में तेजी लाना और उत्पादन को बढ़ाना है। सरकार ने कोयला तथा लिग्नाइट की खोज एवं अन्वेषण के लिए अधिकृत एजेंसियों की सूची का विस्तार करते हुए 18 नई संस्थाओं को इसमें शामिल करने की जानकारी दी।

कोयला मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 4 की उप-धारा (1) के दूसरे प्रावधान के तहत प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, भारतीय गुणवत्ता परिषद-राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त निजी संस्थाओं को 26 नवंबर 2025 को मान्यता प्राप्त पूर्वेक्षण एजेंसियों के रूप में अधिसूचित किया गया है।' सरकार ने कहा कि इससे कोयला और लिग्नाइट की खोज के लिए 18 और एजेंसियां जुड़ जाएंगी, जिससे कोयला ब्लॉक आवंटियों को कोयला और लिग्नाइट की खोज के लिए इन एजेंसियों को नियुक्त करने में अधिक विकल्प मिलेगा।

कोयला खदान के संचालन के लिए भूगर्भीय रिपोर्ट का अन्वेषण और तैयारी एक शर्त है। इन अन्वेषण एजेंसियों के जुड़ने से लगभग 6 महीने का समय बचेगा, जो पहले एजेंसी द्वारा लाइसेंस प्राप्त करने में लगता था। अधिकृत संभावित एजेंसियों के समूह का विस्तार करके, सरकार निजी क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग करके और अन्वेषण में दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और इनोवेशन को बढ़ावा देना चाहती है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक, इस कदम से अन्वेषण की गति में काफी तेजी आएगी और खनन को जल्दी बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे संसाधन विकास में तेजी आएगी और देश के लिए कोयला और लिग्नाइट की उपलब्धता बढ़ेगी। इससे देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

मंत्रालय ने बयान में आगे कहा, 'भारत सरकार एक पारदर्शी, कुशल और भविष्य के लिए तैयार खनिज अन्वेषण ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा और आर्थिक विकास को गति देगा।

सीएमपीडीआई को दायित्व

कोरबा जिले सहित छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में कई कोल कंपनियां कार्यशील हैं। यहां से उत्पादित कोयला के जरिए घरेलू और व्यवसायिक उपभोक्ताओं की पूर्ति हो रही है। कोयला का सर्वेक्षण होने के बाद खनन के मामले में योजना बनाने की जिम्मेदारी कोल माइंस प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट की है। सीएमपीडीआई यह तय करती है कि किस तरह से खनन करना है और इसके लिए संबधित क्षेत्र में संरचना किस तरह की होगी।

एसआईआर प्रपत्र भरने में ना हो परेशानी, सहयोग जारी

कोरबा। स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन कार्यक्रम भारत के निर्वाचन आयोग के द्वारा शुरू किया गया है। वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं की पुष्टि और इसी के साथ उनकी पात्रता तय करना इसका उद्देश्य है। कोरबा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है। बूथ लेवल अधिकारियों के द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराई गई है। इसकी प्रविष्टि करने में किसी प्रकार की दिक्कत पेश न आए, इसके लिए लोग भी सहयोग कर रहे हवन।

कोलांचल दीपिका और आसपास के क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारी अभिषेक सिंह के साथ कार्यकर्ताओं ने इस अभियान में अपनी भागीदारी को सक्रिय रूप से बढ़ाया है। पिछले कुछ दिनों से आंचल में ठंड का स्तर बढ़ने के साथ समस्या तेज हुई है। इस पर भी अब यहां से जुड़े लोग अपने आसपास के क्षेत्र में पहुंचकर लोगों के साथ संवाद कर रहे हैं और उन्हें गणना प्रपत्र की त्रुटिरहित प्रविष्टि करने में सहयोग कर रही। अभिषेक सिंह ने बताया कि उनकी टीम में कई लोग शामिल हैं और दूसरे इलाके में भी लोगों को प्रेरित किया गया है कि वह अपने स्तर पर इस अभियान को चलते हुए स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन के काम में सहयोग करें। याद रखना होगा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सरकार का तंत्र गहन पुनरीक्षण को गति देने में लगा हुआ है। हर हाल में निश्चित अवधि के अंदर प्रपत्र भरे जाने के साथ 4 दिसंबर तक जमा करें जाने हैं। लोगों की इस बारे में मिली जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। अधिकांश लोगों ने राष्ट्र हित में अभियान को बेहतर और उपयोगी बताया है जबकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें लगता है कि यह सब उनकी परेशानी बढ़ाने का एक हिस्सा है।

*कोरबा। डीडी मार्केट स्थित पीली कोठी में आज दोपहर एक संक्षिप्त कार्यक्रम में शहर के कुछ पत्रकारों का सम्मान शंभूशरण लाटा महराज ने किया। मौके पर उन्हें भोज भी कराया गया।

बलगी क्षेत्र से कबाड़ी ने काटी रेल लाइन, 36 पीस किया जब्त

अपराध नियंत्रण के दावों की लगातार खुल रही पोल

कोरबा। जिले के कोलफील्डस और आसपास में अपराध नियंत्रण बिल्कुल ठीक है, काफी समय से पुलिस इस प्रकार के दावे कर रही है। लेकिन कुछ मौका पर कबाड़ियों और चोर गिरोह के द्वारा की जाने वाली हरकतों से पुलिस के दावों की कलई खुल रही है। बाकी मोगरा पुलिस के द्वारा रेल लाइन के 36 पीस जप्त करने की घटना ने इसका जीता जागता सबूत पेश किया है। इस प्रकरण में धर्म सिंह कबाड़ी फरार हो गया है। पुलिस ने मामला दर्ज करने के साथ जांच शुरू की है।

बाकी मोगरा पुलिस ने बताया कि शनिवार को सुबह लगभग 5 बजे हमारी टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। बलगी रेल लाइन क्षेत्र में यह कार्रवाई एक सूचना के आधार पर की गई। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रबंधन के द्वारा पिछले वर्षों में यहां कॉल ट्रांसपोर्टिंग के लिए बिछाई गई रेल लाइन को काटने का दुस्साहस किया गया। इन्हें नजदीक में ही रखा गया था। इस इलाके से रेलवे ट्रैक के 36 पार्ट्स जब्त किए गए हैं। संभावना जताई जा रही है कि इनका वजन 10 से 15 टन हो सकता है। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में इलाके के जाने-माने कबाड़ी धर्म सिंह राजपूत की भूमिका का पता चला है और वह नहीं मिला है। उसके खिलाफ पहले भी कोलफील्ड्स मैं इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने की शिकायतें न केवल मिली बल्कि अपराध पंजीबद्ध किए गए। बाकीमोंगरा पुलिस ने हालिया घटनाक्रम में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। याद रहे, इससे पहले के वर्षों में कोरबा जिले के अंतर्गत कोरबा, कुसमुंडा, मानिकपुर, गेवरा और दीपिका कोल माइंस से कोयला डीजल कबाड़ आदि की चोरी के मामले व्यापक रूप से सामने आए। ऑर्गेनाइज्ड क्राईम के पैटर्न पर इन घटनाओं को अंजाम दिया जाता रहा। बाद में सख्ती होने पर ऐसी घटनाएं कुछ समय के लिए थमी रही। लेकिन अब जिस तरह से कोलफ़ील्ड में ऐसी घटनाएं हो रही है उससे कई प्रकार के सवाल उठ खड़े हुए हैं।

पूर्व विधायक पुरुषोत्तम में ली बैठक

कोरबा। कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर ने उतरदा और बोइदा में कार्यकर्ताओं की बैठक ली । उनके साथ वरिष्ठ नेता हरीश परसाई जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व विधायक ने यहां पर क्षेत्र की समस्याओं के बारे में चर्चा की इसके साथ ही आगे की रूपरेखा भी तैयार की। पूर्व विधायक ने बताया कि हर हाल में हम अपने कार्यकर्ताओं को एक्टिव कर रहे हैं। हमारी सक्रियता ही अगले विधानसभा चुनाव में फिर से जीत दर्ज करने का प्रमुख आधार होगी। पुरुषोत्तम कहा की दूसरे मुद्दे को छोड़ भी दिया जाए तो वर्तमान में हमारे विधानसभा क्षेत्र में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के खनन कार्यों से लेकर सर्वेक्षण और लोगों की परेशानियां सबसे बड़े मसले हैं।

संडे ड्यूटी पर की गई चर्चा

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व केंद्रीय कर्मशाला में कल प्रबंधन और जेसीसी सदस्यों के मध्य संडे ड्यूटी को लेकर चर्चा की गई। जिसमें 30 नवंबर को संडे ड्यूटी देने पर सहमति बनी है। वित्त अधिकारी के बाहर रहने पर अन्य महीनों के संडे ड्यूटी पर चर्चा नहीं हो पाई, क्योंकि बजट के आधार पर ही संडे ड्यूटी तय किया जाएगा। इस बैठक में दिलीप सिंह, राजेश पांडेय, भागवत साहू, संतोष टंडन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि बजट आने की बात कही जा रही थी जिसके आधार पर यहां के कामगारों में उत्साह का संचार बना हुआ था। लगातार बजट के लिए आने वाले दिनों में और प्रयास किए जाएंगे। जबकि गेवरा केंद्रीय कर्मशाला में कामगारों को दो संडे ड्यूटी दिया जा रहा है। अब यहां के प्रतिनिधि तीन संडे ड्यूटी की मांग के लिए प्रयत्नशील हैं। यूनियन प्रतिनिधि विकास शुक्ला, बीएल खूंटे, एलपी चंद्रा, मुकुंद राम कर्ष का कहना है कि गेवरा प्रोजेक्ट में जिस तरह संडे ड्यूटी दिया जाता है उसी तरह यहां के कामगारों को भी संडे ड्यूटी मिलना चाहिए। इसके लिए आने वाले दिनों में प्रयास होगा।

गीता जयंती पर योग वेदांत समिति बरपाली में करेगी कार्यक्रम

कोरबा। श्री योग वेदान्त सेवा समिति कोरबा के तत्वाधान में - सोमवार को बरपाली चौक, बरपाली, कोरबा में गीता जयंती बड़े हर्षोल्लास से मनाने का निर्णय लिया गया हैं, जो प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होकर सायं 4 बजे तक चलेगा। 11 बजे ग्राम बरपाली में संकीर्तन यात्रा निकलेगी। तत्पश्चात् बरपाली चौक में गीता पाठ, गीता महात्म, गीता का उपदेश, जप, ध्यान, हवन एवं भजन किया जावेगा। तत्पश्चात् आरती, पूर्णाहूति एवं प्रसाद वितरण किया जायेगा। समिति के अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद साहू ने सभी धर्म प्रेमी सज्जनों से अनुरोध किया है कि मोक्षदा एकादशी के दिन गीता जयंती के कार्यकम में भाव भरा आमंत्रण है। इस अवसर पर श्रीमद् भागवत गीता का नि:शुल्क वितरण किया जावेगा तथा आश्रम के सत्साहित्य व सामग्री की स्टाल भी लगाई जावेगी।

आरएसएस के स्वयंसेवक शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कर रहे गृह संपर्क

कोरबा। पांच परिवर्तन के साथ राष्ट्रीय संदर्भों को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गृह संपर्क अभियान कोरबा जिले में 15 नवंबर से संचालित है। नगर से लेकर खंड और मंडल स्तर पर इसका क्रियान्वयन जारी है।

बताया गया कि कोरबा नगर के पांच उपनगर के अलावा दीपिका और कटघोरा नगर, कोरबा जिले के 6 खंड और ग्रामीण क्षेत्र के कुल 76 मंडल में इस अभियान को गतिशीलता दी जा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस कार्य को संपादित करने के लिए सैकड़ो टोलियां बनाई है जो अपने काम में प्रतिदिन लगी है। बताया गया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष 2025 में पूरे हुए हैं। शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते

हुए एक विशेष कार्य योजना बनाई गई है और विभिन्न आयाम पर कार्यों को शुरू किया गया है। सामाजिक जागरण के अंतर्गत पांच परिवर्तन पर विशेष तौर पर कार्य किया जा रहा है। व्यापक बदलाव लाने के साथ लोगों को राष्ट्र के प्रति अपने सरोकारों दिखाने के मामले में जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक घर में पहुंचकर भारत माता की तस्वीर और संघ से संबंधित संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण साहित्य उपलब्ध कराया जा रहा है।

अंधेरे में पड़ा है नगर का ओवरब्रिज

कोरबा। औद्योगिक नगर कोरबा के एकमात्र ओवर ब्रिज मैं स्ट्रीट लाइट जरूर लगाई गई है लेकिन पिछले काफी समय से यह रात में उजाला नहीं दे रही है। ओवर ब्रिज की सभी लाइट बंद है और इस वजह से रात में इस पूरे रास्ते में अंधकार का साम्राज्य कायम रहता है। भले ही ओवरब्रिज की लंबाई 500 मी से ज्यादा नहीं है लेकिन फिर भी अंधेरे की स्थिति में इस दूरी को पार करना लोगों के लिए कॉफी मुश्किल भरा साबित हो रहा है। सांसद प्रतिनिधि सुनील जैन ने प्रशासन और नगर निगम से कहा है कि अगर अधिकारियों का आना-जाना यहां से होता हो तो वह इस तरफ विचार जरूर करें। जैन ने नाराजगी जताई है कि शहर के कई हिस्से में स्ट्रीट लाइट की बदहाली से लोग मुश्किल में हैं।

*कोरबा। कोयलांचल गेवरा, दीपका, कुसमुंडा, कोरबा में वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है। बड़ी आबादी इस वजह से परेशान है। लोगों का आरोप है कि समस्या का समाधान करने में एसईसीएल और प्रशासन उदासीन है।

मरीजों के परिजनों को कराएंगे भोजन

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व द्विज ब्राह्मण परिवार के द्वारा जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के परिजनों को भोजन कराने का निर्णय लिया है। यह कार्य प्रत्येक वर्ष किया जाता है। एक सप्ताह बाद द्विज ब्राह्मण परिवार की बैठक होगी। जिसमें आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। अध्यक्ष राजेश पांडेय ने बताया कि पिछले दिनों आंवला नवमी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। जिसमें समाज के समाज लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पौधारोपण कार्यक्रम भी ब्राह्मण समाज के द्वारा चलाया जाता है। समाज को आगे बढ़ाने के लिए संरक्षक मनोरमा शर्मा, विष्णु शंकर मिश्रा, नरेंद्र दुबे कार्य कर रहे हैं।

पुराना जॉब छोड़कर उपार्जन केंद्रों में बने कम्प्यूटर ऑपरेटर, हटाए जाने के साथ अब जीविका का संकट

प्रशासन का तर्क : टेंडर रद्द हुआ तो एजेंसी जिम्मेदार, ऑपरेटर्स ने बताई सच्चाई

कोरबा। कोरबा के कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचे यह सभी वे लोग हैं जो पिछले दिनों एक सरकारी टेंडर के आधार पर कोरबा जिले के विभिन्न धार उपार्जन केदो में कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर भर्ती किए गए थे। सहकारी समिति कर्मचारी संघ की हड़ताल जारी रहने और धान खरीदने में देरी होने को देखते हुए जल्दबाजी में सरकार के द्वारा विकल्प अपनाया गया। इसके अंतर्गत कंप्यूटर ऑपरेटर की भर्ती की गई और उनसे 15 दिन तक काम भी लिया गया। इस बीच दबाव बढ़ने पर कर्मचारियों की हड़ताल खत्म हो गई और फिर टेंडर के निरस्त किए जाने का हवाला देते हुए ऑपरेटरर्स को हटा दिया गया। हरदी बाजार क्षेत्र के एक उपार्जन केंद्र में ऑपरेटर श्वेता तिवारी ने इस बारे में पूरी कहानी बताई। उनका कहना है कि हमसे 15 दिन तक काम लिया और उसका वेतन भी नहीं दिया। पुरानी जगह का जब छोड़कर हम लोग यहां आए थे। इस तरह हमारा काफी नुकसान हुआ है इसकी भरपाई कौन करेगा।

ऑपरेटर यूनियन के एक सदस्य ने बताया कि बहुत कुछ सोच समझकर हम लोगों ने धान खरीदी केदो में काम करना तय किया था। अब अजीब तरह का नियम बताते हुए हमें कम से हटा दिया गया। जबकि सही बात तो यह है कि सरकार नहीं हमारी भारती की थी इसलिए उसे हमारे हित के बारे में सोचना चाहिए। इस पूरे मामले में हम प्रदेश स्तर पर बड़ी लड़ाई लड़ेंगे। यहां पर याद रखना होगा कि कोरबा सहित सभी जिलों में 3500 रुपए प्रति क्विंटल किधर पर धान की खरीदी किसानों से की जा रही है। अनेक स्थानों पर इस तरह की शिकायत आ रही है कि किसानों ने अधिक रकबा में धन लगाया है लेकिन कम रकबा के हिसाब से धान खरीदने की बात की जा रही है। कृषक वर्ग इस वजह से परेशान है। दूसरी ओर ऑपरेटर यूनियन मौजूदा समस्या से परेशान है क्योंकि बहुत सारे मामले में इन लोगों ने काफी कुछ सोच समझकर अच्छा भला जब छोड़ दिया और धान खरीदी केंद्र की जिम्मेदारी संभाल ली। उनका कहना है कि जब भारती यह जाने का टेंडर सरकार के द्वारा ही जारी कराया गया है तो फिर सरकार के लोग पूरी व्यवस्था से कैसे बच सकते हैं।

सांसद बृजमोहन आज नगर में

कोरबा। भाजपा सांसद और पूर्व शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल 29 नवंबर को इकदिवासी प्रवास पर कोरबा आ रहे हैं वे सुबह 10:30 बजे पूर्व डिप्टी स्पीकर स्वर्गीय बनवारी लाल अग्रवाल के घर पहुंच कर उनके परिजनों से मुलाकात करेंगे। श्री अग्रवाल रात्रि 8:30 बजे मंत्री लखन लाल देवांगन के यहां वैवाहिक समारोह में शामिल होंगे और इसके बाद रायपुर प्रस्थान करेंगे।

*कोरबा। एसईसीएल मुख्य मार्ग में मुड़ापार बेरियर के पास जीव-जंतुओं के कट पीस लोगों की परेशानी का कारण बने हुए हैं। यहां से उठने वाली दुर्गंध आसपास के इलाकों में लोगों की सांसों के लिए खतरा बनी हुई है।

बिजली उत्पादन के कई चरणों को डीएसपीएम में देखा कॉलेज छात्रों ने

कोरबा। उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित होने के लिए स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, कोरबा के विद्यार्थियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थर्मल पावर स्टेशन, कोरबा का औद्योगिक भ्रमण किया। महाविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित इस औद्योगिक भ्रमण का नेतृत्व महाविद्यालय की वाणिज्य की अतिथि व्याख्याता आशिया खान एवं मधु यादव अतिथि व्याख्याता, अर्थशास्त्र के द्वारा सफलतापूर्वक कराया गया। महाविद्यालय के बी.ए., बी.कॉम., बी.एस.सी तृतीय वर्ष एवं तृतीय सेमेस्टर के कुल 55 छात्र-छात्राओं ने पूरे अनुशासन और रुचि के साथ इस औद्योगिक भ्रमण में भाग लिया। महाविद्यालय के इस प्रयास के लिए अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती शिखा शर्मा ने प्रशंसा करते हुए भ्रमण दल को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थर्मल पावर स्टेशन के सहायक अभियंता सुमन सोमानी, प्रकाश देवांगन और देवकी पटेल के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को थर्मल पावर स्टेशन के सभी यूनिट्स का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने पावर जनरेशन की संपूर्ण प्रक्रिया जैसे कोयला आपूर्ति, बॉयलर संचालन, टरबाइन कार्यप्रणाली, कंट्रोल रूम प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण उपाय तथा सुरक्षा मानकों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। संयंत्र के तकनीकी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को थर्मल पावर प्लांट की आधुनिक तकनीकों, मशीनरी संचालन और ऊर्जा उत्पादन के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. डेजी कुजूर ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थर्मल पावर स्टेशन, कोरबा के प्रबंधन एवं तकनीकी स्टाफ के सहयोगपूर्ण व्यवहार के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण निश्चित ही विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, औद्योगिक समझ और कैरियर की संभावनाओं को जानने में उपयोगी साबित होगा।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

मोदी संग बढ़त हे छत्तीसगढ़

पीएम आवास योजना

26 लाख
से अधिक परिवारों को पक्की छत देने वाले

महतारी वंदन योजना

70 लाख
महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने वाले

पीएम किसान सम्मान निधि

26 लाख
किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटाने वाले

तेंदूपत्ता संग्रहण दर ₹5500 मानक बोरा

13 लाख
संग्राहक परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाले

उद्यम क्रांति योजना

युवाओं को स्वरोज़गार के लिये **50% सब्सिडी** पर ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने वाले

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना

5.62 लाख
भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष **₹10,000** की आर्थिक सहायता देने वाले

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

37 लाख
महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने वाले

श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना

37 हजार
से अधिक राम भक्तों को अयोध्या धाम की निःशुल्क यात्रा कराने वाले

छत्तीसगढ़ में शांति, विश्वास और विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाले

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

का

हार्दिक

स्वागत. वंदन. अभिनंदन

S-46074/84

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com